twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 28 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 198, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

ऑपरेशन सिंदूर कैमरे के सामने किया, ताकि कोई सबूत न मांगे'

आतंकवाद का रास्ता प्रॉक्सी वॉर नहीं, बल्कि एक सोची-समझी युद्ध रणनीति: प्रधानमंत्री

गांधीनगर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को देश विभाजन को भारत की पीड़ा का मूल कारण बताते हुए कहा कि 1947 में मां भारती के अंग काट दिए गए, जबकि जंजीरें कटनी चाहिए थीं। उसी रात कश्मीर पर पहला आतंकी हमला हुआ और पाकिस्तान ने मुजाहिदीनों के जरिये भारत का हिस्सा हड़प लिया। अगर तब ही सख्त कार्रवाई की गई होती, तो 75 वर्षों का यह आतंकवाद न झेलना पड़ता। उन्होंने कहा, एक कांटा पूरे शरीर को पीड़ा देता है और हमने तय कर लिया है कि अब वह कांटा निकालकर ही दम लेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांधीनगर में गुजरात अर्बन ग्रोथ स्टोरी के 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लिया और शहरी विकास वर्ष 2025 का शुभारंभ किया। वर्ष 2005 में तत्कालीन मुख्यमंत्री के तौर पर उनके द्वारा शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य शहरी ढांचे का नियोजित विकास था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने शहरी विकास, स्वास्थ्य और जल आपूर्ति से जुड़ी कई परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। पीएम ने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि में यह तय हुआ था कि जम्मू-कश्मीर की नदियों पर बने बांधों की सफाई नहीं की जाएगी। 60 साल तक इनके गेट नहीं खुले, लेकिन हमने थोड़ी सफाई शुरू की, गेट थोड़े खोले और पाकिस्तान में बाढ़ आ गई। अभी तो हमने पूरी कार्रवाई शुरू ही नहीं की है और वे पहले ही घबरा गए हैं। पाकिस्तान की सेना से जुड़े और उनके निर्देश पर काम करने वाले लोग हैं। अब जब वे खुलेआम युद्ध जैसा व्यवहार कर रहे हैं, तो भारत भी उन्हें उसी तरह निर्णायक और सशक्त जवाब देगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंधु जल समझौता भारत के हित को कई तरह से प्रभावित कर रहा था। अभी हमने इसे केवल स्थगित किया है और पाकिस्तान में इसको लेकर घबराहट है।

विदेशी उत्पादों पर निर्भरता छोड़ने का आह्वान किया

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान विदेशी उत्पादों पर निर्भरता छोड़ने का आान किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ सेना का नहीं, 140 करोड़ भारतीयों की जिम्मेदारी है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य पाने के लिए हमें हर दिन इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं में भी मेक इन इंडिया को प्राथमिकता देनी होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छोटे शहर भारत की आर्थिक प्रगति के इंजन हैं। भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है तो शहरी विकास इन शहरों से शुरू होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पर्यटन भारत की अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है और गुजरात इसका जीवंत उदाहरण है। कच्छ और वडनगर जैसे स्थान आज विश्व मानचित्र पर उभर रहे हैं। कल्पनाओं को धरातल पर उतारने से असाधारण परिणाम मिलते हैं– रिवरफ्रंट, दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी इसी सोच के प्रमाण हैं।

हमारी लड़ाई सीमापार पल रहे आतंकवाद से है: पीएम मोदी

साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 22 हजार से अधिक घर समर्पित किए और शहरी निकायों को 3,300 करोड़ रुपये की धनराशि भी जारी की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आतंकवाद का रास्ता प्रॉक्सी वॉर नहीं, बल्कि एक सोची-समझी युद्ध रणनीति है। उन्होंने कहा कि 6 मई की रात को मारे गए आतंकवादियों को सम्मान देना, उनके ताबूतों पर पाकिस्तानी झंडे लपेटे जाना और वहां की सेना का उन्हें सलामी देना यह साबित करता है। उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी, आप वॉर ही कर रहे हैं, तो उसका जवाब भी वैसे ही मिलेगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से भारत के खिलाफ चलाए जा रहे युद्ध की एक पृष्ठभूमि है। पीएम ने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि में यह तय हुआ था कि जम्मू-कश्मीर की नदियों पर बने बांधों की सफाई नहीं की जाएगी। 60 साल तक इनके गेट नहीं खुले, लेकिन हमने थोड़ी सफाई शुरू की, गेट थोड़े खोले और पाकिस्तान में बाढ़ आ गई। अभी तो हमने पूरी कार्रवाई शुरू ही नहीं की है और वे पहले ही घबरा गए हैं। पीएम ने कहा कि पाक को सीधा युद्धों में हार के चलते उसे एहसास हुआ कि वे सीधे युद्ध में भारत से नहीं जीत सकता, इसलिए उन्होंने आतंकवाद को एक रणनीतिक हथियार के रूप में अपनाया। आतंकवादी सिर्फ भाड़े के लड़ाके नहीं हैं। वे पाकिस्तान की सेना से जुड़े और उनके निर्देश पर काम करने वाले लोग हैं। अब जब वे खुलेआम युद्ध जैसा व्यवहार कर रहे हैं, तो भारत भी उन्हें उसी तरह निर्णायक और सशक्त जवाब देगा।

बांके बिहारी मंदिर: यूपी सरकार को फटकार

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को इस बात के लिए फटकार लगाई है कि उसने वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन को लेकर दो निजी पक्षकारों के बीच चल रहे विवाद को हाईजैक कर लिया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अगर राज्य सरकार इस तरह निजी पक्षकारों के बीच आएगी, तो कानून का शासन खत्म हो जाएगा। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से पूछा कि क्या राज्य सरकार सुनवाई में हिस्सेदार रही है।

बीएसएनएल को 280 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बीएसएनएल ने लगातार दूसरी तिमाही में मुनाफा कमाया है।

निर्यात से जुड़े नए दिशा-निर्देश किए जारी

नई दिल्ली

भारत सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के लाभों को बहाल कर दिया है। ये लाभ एक जून, 2025 से किए जाने वाले सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यात-उन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों की ओर से किए गए निर्यात के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत लाभ बहाल करने की घोषणा कर दी है। ये लाभ एक जून 2025 से किए गए सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने मंगलवार को दूसरे चरण में राष्ट्रपति भवन में 68 विभूतियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। देश के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति में आज चार को पद्म विभूषण, 8 को पद्म भूषण और 56 को पद्मश्री प्रदान किए गए। साध्वी ऋतंभरा को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

मोदी के नेतृत्व में एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग को अधिकार मिल रहा: धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर झूठ और फरेब की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को अपना अधिकार मिल रहा है। वहीं कांग्रेस काल में उन्हें इससे वंचित रखा गया था। धर्मेन्द्र प्रधान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक आरोप का जवाब दे रहे थे। इसमें राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि योग्य उम्मीदवार न मिलने का बहाना कर सरकार जानबूझकर एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों को शिक्षा और नेतृत्व से दूर रख रही है।

इसके जवाब में आंकड़ों के साथ शिक्षा मंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी को पीलिया हुआ है इसीलिए उनको सबकुछ पीले रंग का ही दिखाई पड़ता है। या यूं कहें कि हर अच्छे में भी उन्हें बुरा ही दिखाई पड़ता है। शिक्षा मंत्री ने राहुल गांधी के इन आरोपों का एक्स पर जवाब दिया। प्रधान ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि ह्यनॉट फाउंड सूटेबल (योग्य उम्मीदवार नहीं मिला) जैसी व्यवस्था कांग्रेस की दलित-विरोधी नीति की देन थी।

प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने 2019 में ऐतिहासिक कानून लाकर इस अन्याय का अंत किया। उन्होंने कहा कि देश का युवा अब कांग्रेस की इस राजनीति की सच्चाई समझ चुका है।

676 कोविड कार्मिकों के समायोजन को मिली हरी झंडी

लखनऊ

कोविड महामारी के दौरान उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कार्यरत रहे 676 संविदा व आउटसोर्स कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। राज्य सरकार ने इन कर्मियों के विभागीय समायोजन को मंजूरी दे दी है। ये वे कर्मचारी हैं जो पहले चरण के समायोजन में छूट गए थे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जानकारी दी कि इन कर्मचारियों का समायोजन स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न इकाइयों में किया जाएगा। इससे पूर्व राज्य में 1834 कर्मचारियों को तैनाती मिल चुकी है।

एक माह में होगा समायोजन

डिप्टी सीएम ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारु संचालन और कोविड काल के अनुभवों को देखते हुए इन कर्मचारियों की सेवाएं महत्वपूर्ण मानी गई हैं।

इन 676 कर्मचारियों का समायोजन जिला स्वास्थ्य समितियों के माध्यम से अगले एक माह के भीतर कर दिया जाए। डिप्टी सीएम के निर्देश पर चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा के प्रमुख सचिव की ओर से सभी जिलाधिकारियों, सीएमओ, मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्यों और मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों को पत्र जारी कर दिया गया है।

योग्यता के अनुसार मिलेगा कार्य कर्मचारियों की तैनाती उनकी शैक्षिक योग्यता और पूर्व अनुभव के अनुसार की जाएगी। ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स, आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, एनएचएम के विभिन्न कार्यक्रमों, लैब असिस्टेंट, स्टाफ नर्स, ओटी टेक्नीशियन, स्वीपर, वार्ड ब्वॉय, माइक्रोबायोलॉजिस्ट जैसे पदों पर उनकी ड्यूटी लगाई जाएगी, वह भी उसी मानदेय पर जो उन्हें पूर्व में मिलता था।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी जिले में समायोजन के लिए रिक्तियां उपलब्ध नहीं हैं, तो सीएमओ तुरंत मंडलीय अपर निदेशक को सूचित करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि कोविड काल के कर्मचारियों की जगह अन्य किसी को नियुक्त किया गया, तो संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराते हुए न केवल कार्रवाई की जाएगी। बल्कि वित्तीय अनियमितता मानते हुए वसूली भी की जाएगी।

यह निर्णय उन सैकड़ों स्वास्थ्यकर्मियों के लिए उम्मीद की किरण है, जो लंबे समय से समायोजन की प्रतीक्षा में थे।

राइफल 'विध्वंसक' और स्वचालित ग्रेनेड लॉन्चर से कांपा था पाकिस्तान: बीएसएफ

जम्मू

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल की गई एंटी-मटेरियल राइफल 'विध्वंसक' और स्वचालित ग्रेनेड लॉन्चर का प्रदर्शन किया। इनका इस्तेमाल सीमा पार पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाने के लिए किया गया था।

एंटी-मटेरियल राइफल 'विध्वंसक'

एक बीएसएफ कर्मी ने बताया,

'एंटी-मटेरियल राइफल 'विध्वंसक' की रेंज 1300 मीटर और 1800 मीटर है। इस हथियार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन के टावरों और बंकरों को नष्ट कर दिया।'

स्वचालित ग्रेनेड लॉन्चर

सीमा सुरक्षा बल ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में दुश्मन की चौकियों को ध्वस्त करने के लिए इस्तेमाल की गई स्वचालित ग्रेनेड लॉन्चर के बारे में बताया कि यह स्वचालित ग्रेनेड प्रणाली 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान दुश्मन की चौकियों, ठिकानों और उनके बुलेटप्रूफ वाहनों को नष्ट करने में बहुत सफल हथियार साबित हुई। रेंज 1700-2100 मीटर है। इससे दागे गए ग्रेनेड का मारक क्षेत्र 10 मीटर है। इसकी मारक क्षमता बहुत प्रभावी है।

अब 15 सितंबर तक दाखिल किया जा सकेगा आईटीआर

नई दिल्ली

देशभर के करोड़ों इनकम टैक्स दाखिल वाले करदाताओं के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरने की तारीख बढ़ाने का ऐलान किया है। सीबीडीटी ने वित्त वर्ष 2024-25 और आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025 से बढ़ाकर अब 15 सितंबर, 2025 कर दिया है। सीबीडीटी ने यह निर्णय आईटीआर फॉर्म की अधिसूचना जारी करने में देरी के बाद लिया है। आयकर विभाग ने मंगलवार को एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी है। विभाग ने जारी पोस्ट में लिखा है, सीबीडीटी ने आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का फैसला किया है। सीबीडीटी ने अब 31 जुलाई, 2025 तक दाखिल होने वाली आईटीआर की नियत तारिख को बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 करने का फैसला किया है।

अच्छी सरकार सकारात्मक, विकासपरक और कल्याणकारी परिवर्तन लाती है: सीएम

गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब अच्छी सरकार होती है तो वह विकास और गरीब कल्याण के कार्यक्रमों को तेजी से आगे बढ़ाते हुए समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। सुरक्षा के बेहतर माहौल में हरेक व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक, विकासपरक और कल्याणकारी परिवर्तन लाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विगत 11 साल से देश में और आठ साल से प्रदेश में यही परिवर्तन देखने को मिल रहा है। सीएम योगी मंगलवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। योगी सरकार ने सामूहिक विवाह योजना में प्रति जोड़ा खर्च 51 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया है और बढ़ी हुई धनराशि के साथ आज यह पहला आयोजन था। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वास्तविक सरकार वही है जो जनता के घर जाकर उनकी समस्याओं का समाधान निकाल सके। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का ही एक अभियान है। यह कार्यक्रम बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना की अगली कड़ी है। यह बाल विवाह, बहुविवाह और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक रूढ़ियों पर भी प्रहार है।

भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाने को अंतिम पायदान के व्यक्ति का मजबूत होना जरूरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज सरकार की मंशा हर एक नागरिक के जीवन में परिवर्तन लाने की है। भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाने के लिए हमें समाज के अंतिम पायदान पर बैठे प्रत्येक व्यक्ति के बारे में सोचना होगा। हमें उसके जीवन में परिवर्तन लाना होगा। इसी परिवर्तन के उद्देश्य से सरकार द्वारा मातृ वंदना योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं योजना, कन्या सुमंगला योजना, आयुष्मान योजना आदि अन्य कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। सामूहिक विवाह योजना भी इसी प्रगतिशील सोच का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि बेटी को बचाना है तो उसे पढ़ाना होगा, उसको सशक्त बनाना होगा।

बेटी को आगे बढ़ाने के लिए हमें सभी व्यवस्थाएंकरनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में सरकार द्वारा निर्धनों की पीड़ा को समाप्त करने के लिए बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना चलायी गयी।

आज यह योजना सफलतापूर्वक चल रही है। इसके तहत प्रदेश के साधनहीन और वंचित परिवारों की लगभग 24 लाख बालिकाओं को जन्म से लेकर स्नातक की शिक्षा के लिए 25 हजार की धनराशि दी जा रही है। सीएम ने बताया कि बेटी के जन्म के बाद रजिस्ट्रेशन करते ही एक निश्चित धनराशि उसके खाते में डाल दी जाती है।

ऐतिहासिक उपलब्धि : संयुक्त राष्ट्रीय पर्वतारोहण दल ने माउंट एवरेस्ट फतह किया

एजेंसी

नई दिल्ली । नई दिल्ली। भारतीय पर्वतारोहियों की एक टीम ने विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह करने का कीर्तिमान स्थापित किया। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले इस दल में भारतीय सेना के जवान, प्रशिक्षक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि देश के प्रमुख पर्वतारोहण संस्थानों – जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स पहलगाम, नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग उत्तरकाशी और हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट दार्जिलिंग – के प्रशिक्षकों की संयुक्त पर्वतारोहण टीम ने 23 मई 2025 को विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह कर ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह अभियान 26 मार्च 2025 को शुरू हुआ था। 26 मार्च को नई दिल्ली से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा हरी झंडी दिखाकर पर्वतारोहियों के दल को रवाना किया गया था। इस दल का नेतृत्व नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग के प्राचार्य कर्नल अंशुमान भदौरिया और जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स के प्राचार्य कर्नल हेम

चंद्र सिंह ने किया। इस दल में पांच विशेषज्ञ प्रशिक्षक शामिल थे। प्रशिक्षकों में जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स के हवलदार राजेन्द्र मुखिया, नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग के राकेश सिंह राणा, सूबेदार बहादुर पाहन, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट के पासंग तेनजिंग शेर्पा और हवलदार थुप्स्तन त्सेवांग शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि टीम ने एवरेस्ट पर चढ़ाई से पूर्व, 18 अप्रैल 2025 को अपनी अनुकूलन प्रक्रिया के तहत माउंट लोबुचे (6,119 मीटर) को भी सफलतापूर्वक आरोहित किया। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के इस चुनौतीपूर्ण अभियान के दौरान पर्वतारोहियों ने भीषण मौसम और अत्यधिक ऊंचाई जैसी कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना किया। इस दौरान पूरी टीम ने अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और अनुकरणीय टीम भावना का परिचय दिया। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस उपलब्धि के साथ पर्वतारोहियों की इस टीम ने भारत के पर्वतारोहण इतिहास में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। टीम अब सुरक्षित रूप से एवरेस्ट बेस कैंप से उतरकर काठमांडू की ओर अग्रसर है। गौरतलब है कि इसी माह राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के पर्वतारोहण दल ने 18 मई को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी। इसके बाद टीम सुरक्षित रूप से एवरेस्ट बेस कैंप पर लौट आई। वह ऐतिहासिक उपलब्धि थी और एनसीसी अभियान दल द्वारा माउंट एवरेस्ट पर तीसरी सफल चढ़ाई थी।

लालू यादव का बड़ा फैसला : तेज प्रताप यादव आरजेडी और परिवार से 6 साल के लिए निष्कासित

एजेंसी

पटना। बिहार की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जहाँ राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। यह फैसला राजनीतिक हलकों में गहरी चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि इसे लालू परिवार के भीतर बढ़ती कलह और पार्टी की आंतरिक संरचना पर इसके संभावित प्रभावों के रूप में देखा जा रहा है। लालू प्रसाद यादव ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के माध्यम से इस फैसले की घोषणा की। उन्होंने लिखा, 'निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमज़ोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है।' यह निष्कासन तेज प्रताप यादव के हालिया बयानों और पार्टी कार्यक्रमों में उनके अनियमित व्यवहार के बाद आया है, जिसे अक्सर पार्टी नेतृत्व के लिए असहज स्थिति पैदा करने वाला माना जाता रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब RJD बिहार में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए रणनीति बनाने में लगी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लालू यादव का यह कदम परिवार के भीतर अनुशासन बनाए रखने और पार्टी की छवि को धूमिल होने से बचाने का प्रयास है। यह फैसला दिखाता है कि लालू प्रसाद, भले ही स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय राजनीति से कुछ हद तक दूर हों, लेकिन पार्टी और परिवार पर उनका नियंत्रण अभी भी बरकरार है। इस निष्कासन से RJD के भीतर शक्ति संतुलन और तेजस्वी यादव की स्थिति पर भी असर पड़ सकता है, जिन्हें लालू का राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता है। आने वाले दिनों में बिहार की राजनीतिक परिदृश्य में इस फैसले के दूरगामी परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

सीएम सुक्खू ने वित्त आयोग के अध्यक्ष से की भेंट, हिमाचल प्रदेश के लिए मांगी अधिक निधि

नई दिल्ली/शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ मौजूद राज्य सरकार के अधिकारियों ने आयोग के समक्ष प्रस्तुति दी और राज्य की ओर से एक ज्ञापन भी सौंपा। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के लिए निधि आवंटन बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश के पहाड़ी राज्य भौगोलिक दृष्टि से विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हैं। इसी कारण उन्हें उनका उचित हक मिलना चाहिए। प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए राज्य की सेवाओं के लिए ग्रीन बोनस की मांग भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी के कारण राज्य को नुकसान हुआ है और इसके लिए राज्य को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हिमाचल प्रदेश के लिए राजस्व घाटा अनुदान को बढ़ाया जाना चाहिए, न कि धीरे-धीरे समाप्त किया जाए। मुलाकात के दौरान डॉ. पनगढ़िया ने आश्वासन दिया कि आयोग राज्य के आग्रह पर विचार करेगा।

पीएम मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों के मन की बात करते हैं : अनिल विज

अंबाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से रविवार को रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रम के 122वें एपिसोड पर हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने कहा कि पीएम मोदी इस कार्यक्रम में सिर्फ अपने मन की नहीं बल्कि देशवासियों के मन की बात करते हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, पीएम मोदी पहले देश के प्रधानमंत्री हैं जो अपने मन की बात लोगों के साथ करते हैं। वर्तमान में जो ताजा मुद्दा होता है उससे देशवासियों को रूबरू करवाते हैं। आज उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया। जिस वीरता के साथ सैनिकों ने इस युद्ध में पराक्रम दिखाया, वह काबिले तारीफ है। इसके अलावा, नक्सली मूवमेंट, पर्यावरण संरक्षण, गुजरात के गिर में शेरों के संरक्षण और संख्या पर उन्होंने विस्तार से बात की। इसके अलावा उन्होंने ड्रोन दीदी से लाभ उठा रही महिलाओं के बारे में जिक्र किया। पीएम मोदी मन की बात कार्यक्रम में इन चीजों को इसलिए उठाते हैं ताकि अन्य लोग भी इससे प्रेरित हो। विकसित राष्ट्र के लिए पीएम मोदी काम कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाक के सीजफायर पर विपक्ष के आरोपों पर अनिल विज ने कहा कि हिन्दुस्तान पाकिस्तान की लड़ाई का सीजफायर हो गया। लेकिन, जुबानी गोलाबारी हो रही है। मैं समझता हूं कि विपक्ष को यह समझना चाहिए कि राजनीति करने के लिए कई और मुद्दे मिलेंगे। सेना के शौर्य पर सवाल उठाकर राजनीति न करें।

पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'वोकल फॉर लोकल' से जोड़ा

▸▸ कहा- 'देश में बनी चीजों को प्राथमिकता दें'

'हमें आतंकवाद को खत्म करना है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । 'मन की बात' के 122वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोकल फॉर लोकल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत में बने हथियारों, उपकरणों और टेक्नोलॉजी की ताकत, उसमें 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प भी था। पीएम मोदी ने मन की बात को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारे इंजीनियर, हमारे टेक्निशियन हर किसी का पसीना इस विजय में शामिल है। इस अभियान के बाद पूरे देश में 'वोकल फॉर लोकल' को लेकर एक नई ऊर्जा दिख रही है। कई बातें मन को छू जाती हैं। एक मां-बाप ने कहा कि अब हम अपने बच्चों के लिए सिर्फ भारत में बने

खिलौने ही लेंगे। देशभक्ति की शुरुआत बचपन से होगी। 'प्रधानमंत्री ने कहा, कुछ परिवारों ने शपथ ली है कि हम अपनी अगली छुट्टियां देश के किसी खूबसूरत जगह में ही बिताएंगे। कई युवाओं ने 'वेड इन इंडिया' का संकल्प लिया है, वो देश में ही शादी करेंगे। किसी ने ये भी कहा है कि अब जो भी गिफ्ट देंगे, वह किसी भारतीय शिल्पकार के हाथों से बना होगा। पीएम मोदी ने देशवासियों की सराहना करते हुए कहा, साथियों, यही तो है, भारत की असली ताकत 'जन-मन का जुड़ाव, जन-भागीदारी'। मैं आप सबसे भी आग्रह करता हूं, आइए, इस अवसर पर एक संकल्प लें। हम अपने जीवन में जहां भी संभव हो, देश में बनी चीजों को प्राथमिकता देंगे। यह सिर्फ आर्थिक आत्मनिर्भरता की बात नहीं है, यह राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी का भाव है। हमारा एक कदम, भारत की प्रगति में बहुत बड़ा योगदान बन सकता है। इससे पहले उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने के लिए देशवासियों की सराहना की। साथ ही कहा कि हमारा संकल्प है कि हमें आतंकवाद को खत्म करना है। पीएम मोदी ने 'मन की बात' को संबोधित करते हुए कहा, आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, आक्रोश से भरा हुआ है और संकल्पबद्ध है। आज हर भारतीय का यही संकल्प है कि हमें आतंकवाद को खत्म करना है। साथियों, 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमारी सेनाओं ने जो पराक्रम दिखाया है, उसने हर हिंदुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया है। जिस शुद्धता के साथ, जिस सटीकता के साथ, हमारी सेनाओं ने सीमा पार के आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया है, वो अद्भुत है।

पत्नी अनुष्का संग अयोध्या पहुंचे विराट कोहली, रामलला के किए दर्शन

एजेंसी

अयोध्या। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा संग अयोध्या पहुंचे। उन्होंने यहां राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला के दर्शन किए और फिर हनुमानगढ़ी में भगवान हनुमान के दर पर माथा टेका। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना की और भगवान का आशीर्वाद लिया। विराट इससे पहले पत्नी संग वृंदावन भी पहुंचे थे और वहां संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम जाकर उनसे आशीर्वाद लिया था। हनुमानगढ़ी में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास ने दर्शन-पूजन कराया। मंदिर के पुजारी ने उन्हें फूल माला पहनाया और टीका लगाया। विराट-अनुष्का के पूजा-अर्चना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दर्शन के दौरान स्टार कपल ने मीडिया से दूरी बनाई रखी। इसके अलावा कपल ने हनुमानगढ़ी के महंत ज्ञान दास के उत्तराधिकारी व संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दत्त से भी मुलाकात की। फिलहाल विराट कोहली इस समय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में व्यस्त हैं। उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। टीम को अपना आखिरी लीग मैच लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ मंगलवार यानी 27 मई को खेलना है। यह मैच

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में है।कोहली का आईपीएल 2025 में प्रदर्शन आईपीएल के मौजूदा सीजन में विराट कोहली शानदार फॉर्म में हैं। उन?होंने आईपीएल 2025 में 12 मैचों में 7 अर्धशतकों की मदद से 548 रन बनाए हैं। उनका औसत 60.89 का रहा है। वह अपनी टीम को पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीताने की कोशिश करेंगे।

कोच्चि के पास समुद्र में डूबा लाइबेरियाई कंटेनर पोत, सभी 24 सदस्य बचाए गए

'किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए भारतीय जहाज पूरी तरह तैयार हैं। '

एजेंसी

कोच्चि। कोच्चि से लगभग 38 समुद्री मील दूर रविवार को लाइबेरियाई कंटेनर पोत एल्सा-3 बाढ़ के कारण गहरे पानी में डूब गया, लेकिन भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने जहाज के सभी 24 चालक दल सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। समुद्र में डूबे जहाज से किसी भी तेल या रासायनिक रिसाव पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए भारतीय जहाज पूरी तरह तैयार हैं। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि 184 मीटर लंबा लाइबेरियाई कंटेनर जहाज एल्सा-3 तिरुवनंतपुरम के पास विझिनजाम बंदरगाह से 23 मई को कोच्चि बंदरगाह के लिए रवाना हुआ था। कोच्चि के रास्ते में जहाज के स्टारबोर्ड की तरफ 26 डिग्री का झुकाव होने पर चालक दल

के 09 सदस्य लाइफ राफ्ट में चले गए। जहाज के कप्तान, मुख्य अभियंता और इंजीनियर बचाव कार्यों के लिए संकटग्रस्त जहाज पर सवार थे। भारतीय तटरक्षक बल को 24 मई को लगभग 13.25 बजे कोच्चि से करीब 38 समुद्री मील दूर लाइबेरियाई ध्वज वाले कंटेनर पोत एमएससी ईएलएसए 3 पर संकट की स्थिति के बारे में सूचना मिली

दरअसल, शिपिंग कंपनी पोत के साथ संचार स्थापित करने में असमर्थ थी और उसने पोत पर सवार 24 चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईसीजी से सहायता मांगी। इस पर कोच्चि स्थित आईसीजी जिला मुख्यालय के अंतर्गत समुद्री बचाव उपकेंद्र (एमआरएससी) ने आईसीजी डोर्नियर विमान को हवाई निगरानी करने और जहाज से संपर्क स्थापित करने का काम सौंपा। तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए विमान ने जहाज का पता लगाया। पानी में दो लाइफ राफ्ट दिखाई दीं, जिनमें क्रमशः 05 और 04 लोग जीवित लोग सवार थे। संकटग्रस्त स्थान के पास तैरते हुए कुछ कंटेनरों की भी पहचान की गई।

माओवादी हिंसा के खिलाफ सफलता के बाद प्रभावित जगहों पर सामान्य सुविधाएं पहुंचने लगीं-मोदी

● काटेझरी में आए इस परिवर्तन को आसपास के पूरे क्षेत्र में महसूस किया जा रहा है।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि माओवादी हिंसा के खिलाफ सामूहिक लड़ाई की सफलता बाद अब हिंसा से प्रभावित जगहों पर सामान्य सुविधाएं पहुंचने लगीं हैं और दंतेवाड़ा जैसे जिले खेल एवं शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचाई हासिल कर रहे हैं। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें अंक में कहा, 'बस से कहीं आना-जाना कितनी सामान्य बात है। लेकिन मैं आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताना चाहता हूं जहां पहली बार एक बस पहुंची। इस दिन का वहां के लोग वर्षों से इंतजार कर रहे थे और जब गांव में पहली बार बस पहुंची तो लोगों ने ढ़ोल-नगाड़े बजाकर उसका स्वागत किया। बस को देखकर लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं था। गांव में पक्की सड़क थी, लोगों को जरूरत थी, लेकिन पहले कभी यहां

बस नहीं चल पाई थी। क्योंकि ये गांव माओवादी हिंसा से प्रभावित था। यह जगह है महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में और इस गांव का नाम है, काटेझरी। काटेझरी में आए इस परिवर्तन को आसपास के पूरे क्षेत्र में महसूस किया जा रहा है। अब यहां हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। माओवाद के खिलाफ सामूहिक लड़ाई से अब ऐसे क्षेत्रों तक भी बुनियादी सुविधाएं पहुंचने लगी है। गांव के लोगों का कहना है कि बस के आने से उन लोगों का जीवन बहुत आसान हो जाएगा।' श्री मोदी ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ में हुए बस्तर ओलंपिक और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विज्ञान प्रयोगशाला पर चर्चा कर चुके हैं। यहां के बच्चों में विज्ञान के प्रति लगाव है। वो खेलों में भी कमाल कर रहे हैं। ऐसे प्रयासों से पता चलता है कि इन इलाकों में रहने वाले लोग कितने साहसी होते हैं। इन लोगों ने तमाम चुनौतियों के बीच अपने जीवन को बेहतर बनाने की राह चुनी है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मुझे यह जानकार भी बहुत खुशी हुई कि 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में दंतेवाड़ा जिले के नतीजे बहुत शानदार रहे हैं।

गुजरात, केरल और बंगाल समेत चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

23 जून को आएंगे नतीजे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर उप-चुनाव की घोषणा कर दी है। 19 जून को मतदान होगा, जबकि 23 जून को मतगणना होगी। भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार को आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर चार राज्यों केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव की घोषणा की है। ईसीआई ने बताया कि गुजरात के कादी (एससी) और विसावदर विधानसभा, केरल की निलंबूर, पंजाब की लुधियाना और पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने आगामी उपचुनाव का शेड्यूल जारी करते हुए बताया कि चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत 26 मई 2025 (सोमवार) को राजपत्र

अधिसूचना जारी होने के साथ होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 2 जून (सोमवार) तय की गई है, जबकि 3 जून (मंगलवार) को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। उम्मीदवार 5 जून (गुरुवार) तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद 19 जून 2025 (गुरुवार) को मतदान कराया जाएगा। मतदान के बाद 23 जून (सोमवार) को वोटों की गिनती होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, 25 जून 2025 (बुधवार) तक पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न कर ली जाएगी। यह उपचुनाव संबंधित क्षेत्र में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक माना जा रहा है। चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की है। बता दें कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, सभी जगहों पर अलग-अलग पार्टियों की सरकारें हैं। बंगाल में टीएमसी, गुजरात में भाजपा, पंजाब में 'आप' और केरल में सीपीआई (एम) की सरकार है।

चुनाव- तारीख और दिन

राजपत्र अधिसूचना जारी होने की तारीख: 26 मई 2025 (सोमवार)
नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख: 2 जून 2025 (सोमवार)
नामांकन पत्रों की जांच की तारीख: 3 जून 2025 (मंगलवार)
उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख: 5 जून 2025 (गुरुवार)
मतदान की तारीख: 19 जून 2025 (गुरुवार)
वोटों की गिनती की तारीख: 23 जून 2025 (सोमवार)
चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की अंतिम तारीख: 25 जून 2025 (बुधवार)

रगों में सिंदूर की बात करने वाले मोदी बदजुबान नेताओं पर नहीं करते कार्रवाई-खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और मंत्री पहलगाम मुद्दे पर सेना और शहीदों का अपमान कर रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय खामोश हैं। श्री खड़गे ने कहा 'भाजपा के नेताओं में पहलगाम के पीड़ितों और बहादुर सेना पर लांछन लगाने की होड़ चल रही है। भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के शर्मनाक बयान से एक बार फिर आरएसएस भाजपा की ओछी मानसिकता को उजागर कर दिया। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने हमारी जाँबाज़ सेना का अपमान किया पर मोदी जी ने कोई कार्रवाई नहीं की। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने हमारी वीर कर्नल पर भद्दी टिप्पणी की पर आज तक बर्खास्त नहीं हुए।' उन्होंने कहा 'जब पहलगाम में शहीद नौसेना ऑफ़िसर की पत्नी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था तब भी मोदी जी चुप थे। मोदी जी, आप कहते हैं कि आपकी रगों में सिंदूर है, अगर ऐसा

है तो आपको महिलाओं के सम्मान के लिए अपने इन बदजुबानी नेताओं को बर्खास्त करना चाहिए।' कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा नेता लगातार सेना और शहीदों का अपमान कर रहे हैं जो उनकी ओछी मानसिकता को उजागर करते हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' का श्रेय मोदी को देने की होड़ में भाजपा करवा रही है सेना का अपमान : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) और उसके नेता नैतिकता को ताक पर रखकर 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देने की होड़ में बहादुर सेना तथा हमले के पीड़ितों को अपमानित कर रहे हैं लेकिन उन पर कोई करवाई नहीं हो रही है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा नेता एक के बाद एक पहलगाम हमले के पीड़ितों और सेना के खिलाफ बदजुबानी कर रहे हैं लेकिन श्री मोदी और भाजपा नेतृत्व उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।सुश्री लांबा ने कहा, भाजपा नेता 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का श्रेय श्री मोदी को देते हुए उनका गुणगान करके सेना और पीड़ितों को जिस तरह से अपमानित कर रहे हैं, ऐसा लगता है कि शीर्ष नेतृत्व से आदेश पाकर वे जहां मौका मिले ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय प्रधानमंत्री को दे रहे हैं और इस होड़ में भाजपा नेताओं की जुबान बिगड़ गई है।' महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा,÷श्रेय देने की होड़ में भाजपा यानी बदजुबान पार्टी के नेता संयम खोते हुए अपनी भाषा भूल गए और सेना का अपमान करने लगे। इस कड़ी में बदजुबान पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने सेना के साथ शहीदों और उनके परिवार वालों का भी अपमान किया। भाजपा सांसद रामचंद्र जांगड़ा पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों की पत्नियों को अपमानित करते हैं। भाजपा सांसद जांगड़ा का कहना है- पहलगाम हमले में जो शहीद हुए उनकी पत्नियों में वीरांगना जैसा भाव नहीं था, जोश नहीं था, जज्बा नहीं था। इसलिए हाथ जोड़ रही थीं, गिड़गिड़ा रही थीं।

डिफेंस पीएसयू की रक्षा मंत्री ने की समीक्षा, 'ऑपरेशन सिंदूर' में योगदान को सराहा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक में सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों की समीक्षा की। मंत्रालय में उन्होंने रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र यानी डिफेंस पीएसयू से जुड़े आठ उपक्रमों के अध्यक्षों एवं प्रबंध निदेशकों के साथ यह समीक्षा बैठक की। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की तैयारियों को प्रदर्शित करने वाले प्लेटफॉर्म और तकनीकों के विकास में रक्षा उद्योग, विशेष रूप से डिफेंस पीएसयू की भूमिका की सराहना की। गौरतलब है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में स्वदेशी रक्षा उपकरणों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। खास तौर पर स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी सेना द्वारा भेजे गए ड्रोन और हवाई हमलों को निष्क्रिय कर उन्हें सफलतापूर्वक मार गिराया। समीक्षा बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के रक्षा औद्योगिक आधार को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रही है। साथ ही सरकार डिफेंस पीएसयू की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को बढ़ाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों और हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर रक्षा मंत्री ने विभिन्न डिफेंस पीएसयू को आधुनिक युद्ध की उभरती तकनीकों पर अधिक अनुसंधान एवं विकास करने को कहा।

कांग्रेस ने गौरव गोगोई को असम का अध्यक्ष किया नियुक्त, पार्टी सांसद ने कही ये बात

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने असम के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत तरूण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई को राज्य का नया अध्यक्ष बनाया है। वह भूपेन कुमार बोरा की जगह लेंगे। इसकी जानकारी कांग्रेस पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दी। इसके साथ ही कांग्रेस ने असम में तीन कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाए हैं, जिनमें जाकिर हुसैन सिकदर, रोजलीना तिर्की और प्रदीप सरकार शामिल हैं।वहीं, असम में कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी सांसद गौरव गोगोई ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि असम में कांग्रेस पार्टी में इतने समर्पित और प्रेरक वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ काम करना सौभाग्य की बात है। आने वाले दिनों में मैं असम के लोगों का आशीर्वाद मांगूंगा। मुझे विश्वास है कि हम सब मिलकर अपने राज्य का बेहतर भविष्य बना सकते हैं। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और जितेंद्र सिंह अलवर का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने पार्टी का नेतृत्व किया और बहुत बड़ा योगदान दिया।

शराब कंपनी व्हिस्की के नाम से तुरंत 'त्रिकाल' शब्द हटाए : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली । रेडिको खेतान की 'त्रिकाल' व्हिस्की पर बढ़ते विवाद के बीच भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने शराब कंपनी से मांग की है कि वह तुरंत लेबल से 'त्रिकाल' शब्द हटाए। प्रवीण खंडेलवाल ने समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा कि निश्चित रूप से यह गंभीर चिंता का विषय है कि ब्रांड कंपनियां अपने प्रचार और निजी लाभ के लिए हमारे धार्मिक नामों को अपनाती हैं। मैं मांग करता हूं कि ये कंपनियां तुरंत ऐसे नाम बदलें। हमारी संस्कृति और विरासत से जुड़ा कोई भी नाम शराब की बोतल पर होता है तो हम सभी के लिए बेहद शर्मनाक है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निकाले जाने पर भाजपा सांसद ने कहा, मैं पारिवारिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करूंगा। यह उनका निजी मामला है। लेकिन जहां तक लालू यादव द्वारा की जा रही नैतिकता की बात है, मेरा एक ही सवाल है - जब लालू यादव मुख्यमंत्री थे और बाद में जब राबड़ी देवी उसी पद पर थीं, तब वह नैतिकता कहां थी? उस दौरान कई घोटाले हुए थे। इसलिए, लालू यादव आज जिस नैतिकता की बात कर रहे हैं, उसकी तुलना उनके खुद के कार्यकाल की नैतिकता से करने पर गंभीर सवाल उठते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नए सीजेआई बी.आर. गवई के स्वागत में रात्रिभोज का किया आयोजन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में पदभार संभालने वाले भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई के सम्मान में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में एक भव्य रात्रिभोज का आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर देश के शीर्ष संवैधानिक पदाधिकारियों और न्यायपालिका से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। रात्रिभोज में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे। इसके अलावा, पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशगण, देश भर के उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस समारोह में शामिल हुए। बता दें कि जस्टिस बी.आर. गवई ने 14 मई को देश के 52वें सीजीआई के रूप में शपथ ली थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई थी। गवई देश के दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश हैं।

थल सेना, नौसेना और वायुसेना प्रमुखों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का लाइव प्रसारण देखा, सेना ने जारी की तस्वीर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना के वॉर रुम से कुछ दुर्लभ और चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। ये तस्वीरें 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आतंकवादी बुनियादी ढांचे के खिलाफ भारतीय सेना द्वारा किए गए सटीक सैन्य हमले 'ऑपरेशन सिंदूर'' के पीछे की झलक पेश करती है। तस्वीरों में थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल डीके त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह कंधे से कंधा मिलाकर खड़े और उच्च सुरक्षा वाले कमांड सेंटर में ऑपरेशन की वास्तविक अपडेट पर नजर रखते हुए नजर आ रहे हैं। उनके साथ सेना के एक और वरिष्ठ अधिकारी भी दिखाई दे रहे हैं। भारतीय सशस्त्र बलों के शीर्ष अधिकारी पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ हमले की निगरानी करते दिख रहे हैं।

दूसरी तस्वीर, जो रात 1:05 बजे की है, वह 'ऑपरेशन सिंदूर' के शुरू होने के समय की है। जनरल द्विवेदी और वरिष्ठ अधिकारी ड्रोन फुटेज और सैटेलाइट तस्वीरों के लाइव प्रसारण को ध्यान से देख रहे हैं। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान, ड्रोन और नौसेना के उपकरण 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले कर रहे हैं। ये ठिकाने उन प्रमुख आतंकी संगठनों के शिविर थे, जिन्हें पाकिस्तान का समर्थन मिल रहा था। सेना के आधिकारिक विवरण के अनुसार, इस सटीक ऑपरेशन में 140 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। इस हमले में कथित तौर पर स्कैल्प क्रूज मिसाइल, लेजर-गाइडेड बम और सशस्त्र यूएवी का इस्तेमाल किया गया, जिससे भारत के सशस्त्र बलों की एकजुटता और तकनीकी बढ़त का पता चलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय सेना द्वारा इन तस्वीरों का जारी करना एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल भारत के सैन्य नेतृत्व की कुशल क्षमता को दर्शाता है, बल्कि पाकिस्तान या कहीं और से आने वाले सीमा पार खतरों को बेअसर करने के लिए भारत की तत्परता और दृढ़ संकल्प का भी एक मजबूत रणनीतिक संदेश देता है। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दायरे, समन्वय और कार्यान्वयन के बारे में अपने कर्मियों को जानकारी देने के लिए एक आंतरिक पुस्तिका भी प्रकाशित की है। यह एक दुर्लभ कदम है, जो इन हमलों के पैमाने और महत्व को दर्शाता है। इन तस्वीरों के साथ, भारतीय सशस्त्र बलों ने एक साहसिक बयान दिया है। बयान में कहा गया है कि जब राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है, तो शीर्ष अधिकारी न केवल कमान में हैं, बल्कि वह युद्ध कक्ष में भी मौजूद हैं।

केंद्रीय मंत्री नायडू से मिले उप मुख्यमंत्री शुक्ल, विंध्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं के विस्तार पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने विंध्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं के विस्तार पर सार्थक चर्चा की। उप मुख्यमंत्री ने रीवा से इंदौर, हैदराबाद, दिल्ली और प्रयागराज जैसे प्रमुख नगरों के लिए एटीआर-72 विमानों के माध्यम से नियमित उड़ानों की आवश्यकता एवं जनसामान्य की अपेक्षाओं से केंद्रीय मंत्री नायडू को अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट से इन महानगरों के लिए हवाई संपर्क स्थापित होने से क्षेत्रीय व्यापार, शिक्षा, पर्यटन एवं स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति मिलेगी।

साथ ही रीवा सहित पूरे विंध्य क्षेत्र को समावेशी विकास में समुचित स्थान मिलेगा। केंद्रीय मंत्री नायडू ने प्रस्तुत सुझावों और मांगों पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का भरोसा दिलाया।

कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी चिंता की बात नहीं है : आईसीएमआर चीफ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा कि भारत में कोविड-19 संक्रमण बढ़ रहा है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि ये गंभीर नहीं हैं।

बहल ने आश्वासन दिया कि सरकार सक्रिय रूप से मामलों की निगरानी कर रही है।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी नए आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोविड के 1,009 मामले हैं, जिनमें केरल (430), महाराष्ट्र (209) और दिल्ली (104) में मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र (4), केरल (2) और कर्नाटक (1) में सात मौतें भी हुई हैं। बहल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि संक्रमण की संख्या में वृद्धि हुई है और हम इस पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि संख्या बढ़ रही है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है, क्योंकि अभी तक सभी कोविड मामलों में गंभीर मामलों का प्रतिशत आम तौर पर कम

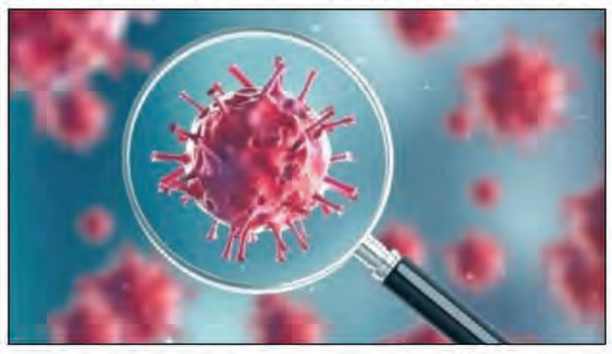

है।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्थापित भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एनबी.1.8.1 और एलएफ.7, जेएन.1 कोविड वैरिएंट, देश में सार्स-कोव-2 मामलों में वृद्धि के लिए जिम्मेदार हैं। बहल ने कहा कि ये सब-वेरिएंट प्राकृतिक या वैक्सीन-प्रेरित पिछली प्रतिरक्षा को चकमा दे सकते हैं। हालांकि, उनकी क्षमता पिछले ओमिक्रॉन और अन्य वेरिएंट से कम है। इसके साथ ही, उन्होंने मामलों में वृद्धि की स्थिति में सतर्कता बढ़ाने और तैयार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की तीन जजों की नियुक्ति की सिफारिश

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने शीर्ष अदालत में तीन जजों की नियुक्ति के संबंध में केंद्र को अपनी सिफारिशें भेजी। जानकारी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन.वी. अंजारिया, गौहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विजय बिश्नोई और बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर के नामों की सिफारिश की है। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 31 है, जो कि इसके स्वीकृत 34 न्यायाधीशों की संख्या से तीन कम है। इसके अलावा, 9 जून को न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी के सेवानिवृत्त होने पर एक और पद रिक्त हो जाएगा। जस्टिस अंजारिया को नवंबर 2011 में गुजरात हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था और सितंबर 2023 में उन्हें स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। पिछले साल 25 फरवरी

को उन्होंने कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। गौहाटी उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बिश्नोई को जनवरी 2013 में राजस्थान उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और उन्होंने जनवरी 2015 में राजस्थान उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। वहीं, न्यायमूर्ति चंदुरकर को जून 2013 में बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था।

मौजूदा प्रक्रिया ज्ञापन (एमओपी) के अनुसार, सीजेआई, चार वरिष्ठतम सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के साथ, जिन्हें आमतौर पर कॉलेजियम के रूप में जाना जाता है, शीर्ष अदालत में रिक्तियों को भरने के लिए केंद्र को अपनी सिफारिश भेजते हैं। प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री प्रधानमंत्री को सिफारिश प्रस्तुत करेंगे, जो नियुक्ति के मामले में राष्ट्रपति को सलाह देंगे। इसके बाद जैसे ही राष्ट्रपति द्वारा नियुक्ति के वारंट पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, न्याय विभाग नियुक्ति की घोषणा करेगा और आधिकारिक राजपत्र में आवश्यक अधिसूचना जारी करेगा।

एनआईए ने सीआरपीएफ जवान को किया गिरफ्तार, जासूसी और पाकिस्तान को संवेदनशील जानकारी भेजने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के साथ संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप में दिल्ली से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान को गिरफ्तार किया है। बल के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, जवान मोती राम जाट जासूसी में सक्रिय रूप से शामिल था। वह 2023 से पाकिस्तानियों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित गोपनीय जानकारी साझा कर रहा था। एनआईए ने कहा कि एजेंसी यह भी पता लगाने में कामयाब रही है कि वह विभिन्न माध्यमों से पाकिस्तानी अधिकारियों से पैसे प्राप्त करता था। मोती राम जाट की गिरफ्तारी के तुरंत बाद, एनआईए ने उसे पटियाला हाउस कोर्ट में एक विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया, जिन्होंने उसे 6 जून तक की

हिरासत में भेज दिया। एनआईए ने उसकी हिरासत की मांग करते हुए अदालत को बताया कि सीआरपीएफ जवान से उन लोगों के बारे में पूछताछ की जानी है, जिनसे वह मिलता था। जांचकर्ताओं ने जासूसी में कथित रूप से शामिल उसके सहयोगियों की पहचान करने के लिए उसे अन्य शहरों में ले जाने की मंशा भी जताई। सीआरपीएफ जवान की गिरफ्तारी भारतीय एजेंसियों द्वारा पिछले करीब एक महीने से पाकिस्तानी जासूसों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई का हिस्सा है। हाल ही में हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और पंजाब, हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश से 11 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एनआईए, खुफिया ब्यूरो और सैन्य खुफिया अधिकारियों ने अब तक मल्होत्रा से पूछताछ की है। ज्योति मल्होत्रा एक यूट्यूब चैनल चलाती थी। उसके खिलाफ 16 मई को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। खबरों की मानें तो वह नवंबर 2023 से पाकिस्तानी उच्चायोग के कर्मचारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में थी। भारत ने कथित तौर पर जासूसी में लिप्त होने के कारण 13 मई को दानिश को निष्कासित कर दिया था।

मालदीव के विदेश मंत्री ने की पहलगाम हमले की कड़ी निंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत यात्रा पर आए मालदीव के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्ला खलील ने अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने आतंकवाद के सभी स्वरूपों के खिलाफ भारत को मालदीव का पूर्ण समर्थन दोहराया। डॉ. खलील ने इस दौरान भारत की जनता और सरकार के साथ गहरी संवेदना और एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने भारत सरकार को मालदीव को दी गई समय पर आपातकालीन वित्तीय सहायता के लिए धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि इस सहायता से मालदीव की आम जनता के जीवन पर सकारात्मक असर पड़ा है। डॉ. खलील ने आज भारत-मालदीव द्वितीय उच्च स्तरीय कोर ग्रुप (एचएलसीजी) बैठक में भाग लिया। इसमें भारत-मालदीव संयुक्त विजन दस्तावेज़ के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। बातचीत में राजनीतिक संवाद, रक्षा-सुरक्षा सहयोग, व्यापार, स्वास्थ्य, जनसंपर्क और विकास साझेदारी को तेज़ करने पर सहमति बनी।विदेश मंत्री डॉ. खलील ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। इसमें परस्पर हित के मुद्दों पर चर्चा की गई। दोनों नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि सहयोग की यह प्रक्रिया भारत और मालदीव के संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगी। यह भी तय हुआ कि तीसरी एचएलसीजी बैठक मालदीव की राजधानी माले में पारस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर आयोजित की जाएगी।

डीआरडीओ प्रमुख डॉ समीर वी. कामत का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (डीडीआरएंडडी) के सचिव और रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष डॉ समीर वी. कामत का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। जारी अधिसूचना में कहा गया कि उनकी सेवा में 01.06.2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए 31.05.2026 तक या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, विस्तार को मंजूरी दे दी है।

डॉ समीर ने 26 अगस्त 2022 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष और रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग (डीडीआरएंडडी) के सेक्रेटरी का पदभार संभाला था। डॉ कामत ने वर्ष 1985 में आईआईटी खड़गपुर से मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में बीटेक (ऑनर्स) की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने 1988 में ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका से मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग में पीएचडी पूरी की। साल 1989 में उन्होंने डीआरडीओ में साइंटिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं शुरू की। डॉ

कामत ने कई एडवांस्ड डिफेंस मेटेरियल प्रोजेक्ट में नेतृत्व किया है। उन्होंने नौसेना जहाजों के लिए मजबूत स्टील, एयरोइंजन के लिए हाई-टेम्परेचर टाइटेनियम और निकल आधारित सुपरलॉय और मिसाइल सिस्टम के लिए रेडोम सामग्री विकसित करने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा उन्होंने सैनिकों और वाहनों के लिए सुरक्षा कवच और स्टील्थ टेक्नोलॉजी पर भी काम किया है।

डॉ कामत ने एंटी टारपीडो सिस्टम, हल्के टारपीडो, ऑटोनॉमस अंडरवाटर व्हीकल और पनडुब्बियों के लिए अत्याधुनिक ईंधन सेल आधारित प्रणालियों जैसे कई नौसेना प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है।

मधुबनी-गोंड कलाकारों से मिलीं राष्ट्रपति, कृतियों को सराहा

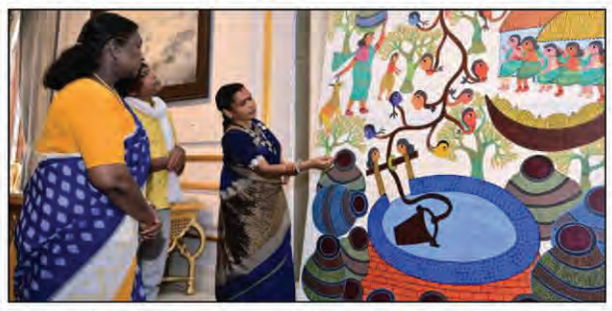

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मधुबनी और गोंड कला के कलाकारों ने आर्टिस्ट इन रेजिडेंस कार्यक्रम के तहत मुलाकात की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश की पारंपरिक कला रूपों को प्रदर्शित करना है। मध्य प्रदेश के गोंड कला और बिहार के मधुबनी कला के कलाकार आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम के तहत 20 से 27 मई तक राष्ट्रपति भवन में निवास करके अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। मधुबनी कला के कलाकारों में शांति देवी, अंबिका देवी, मनीषा झा, प्रीति कर्ण, रंजन पासवान, शांति देवी, उर्मिला देवी, श्रवण पासवान, कुमारी नलिनी शाह और मोती कर्ण शामिल हैं। गोंड कला के कलाकारों में दुर्गाबाई व्याम, सुभाष व्याम, नानकुसिया श्याम, राम सिंह उर्वेती, दिलीप श्याम, चंपाकली, हीरामन उर्वेटी और जापानी श्याम धुर्वे शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कलाकारों की कृतियों को देखा और उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये कलाकार भारत की महत्वपूर्ण पारंपरिक कला रूपों में योगदान दे रहे हैं और उन्हें भविष्य में भी अपनी कला को आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

असम में डिफेंस कॉरिडोर की मांग को लेकर मुख्यमंत्री ने की रक्षा मंत्री से मुलाकात

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके सरकारी निवास पर मुलाकात की और राज्य में डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की। मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने रक्षा मंत्री से आग्रह किया कि असम में डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना से पूर्वी सीमांत पर तैनात सशस्त्र बलों की जरूरतें मजबूत होंगी, साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के %मेक इन इंडिया% विजन को गति भी मिलेगी और पूर्वोत्तर क्षेत्र में नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आश्वासन दिया कि उनका मंत्रालय असम में डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना पर सक्रियता से विचार कर रहा है। बाद में मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिशा एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, आज नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमने असम में एक डिफेंस कॉरिडोर स्थापित करने पर चर्चा की। यह हमारे सशस्त्र बलों की पूर्वी सीमांत पर आवश्यकताओं को सुदृढ़ करेगा, प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' विजन को मजबूती देगा और उत्तर-पूर्व में नए आर्थिक अवसर उत्पन्न करेगा। असम सरकार ने असम एयरोस्पेस एंड डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी 2025 तैयार की है, जिसका उद्देश्य राज्य को भारत में एयरोस्पेस और रक्षा उत्पादन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है। यह नीति असम की रणनीतिक स्थिति, बुनियादी ढांचे और प्राकृतिक संसाधनों का लाभ उठाकर निवेश आकर्षित करने और नवाचार को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। राज्य की भौगोलिक स्थिति, दक्षिण-पूर्व एशिया

के समीपता और मौजूदा ढांचे को निवेश आकर्षण के लिए लाभदायक माना जा रहा है। इस नीति के तहत पूंजी सब्सिडी, एसजीएसटी की वापसी, परिवहन सब्सिडी और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं शामिल हैं। साथ ही रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन की जरूरत को पहचानते हुए स्किल डेवलपमेंट के लिए भी प्रोत्साहन प्रदान किया गया है।

वन नेशन वन इलेक्शन से डबल होगी देश के विकास की रफ्तार : रामनाथ कोविंद

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद परिवार सहित अपने दो दिवसीय प्रवास पर हरिद्वार के कनखल स्थित हरिहर आश्रम पहुंचे।पूर्व राष्ट्रपति ने वन नेशन वन इलेक्शन पर कहा कि इससे देश में विकास की रफ्तार डबल होगी। इससे देश की जीडीपी एक से डेढ़ फीसदी बढ़ेगी। पूर्व राष्ट्रपति सायंकाल हरकी पैड़ी पर गंगा आरती में भी हिस्सा लेंगें। इससे पहले वह यहां उन्होंने जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज का आशीर्वाद लिया। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने देश के समसामयिक मुद्दों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि उन्होंने वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर रिपोर्ट दे दी है। इससे देश में विकास की रफ्तार डबल होगी। भारत सरकार ने इसे स्वीकार कर लिया है। पार्लियामेंट ने

इस पर विधेयक बनाया है। अभी ये विधेयक जेपीसी के सामने विचारार्थ है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन पर जेपीसी में जो निर्णय आएगा जैसा भी संसद को उचित लगेगा, उस पर काम होगा। उन्होंने कहा अभी तीन दिन पहले ही इंटरनेशनल मॉनिटरिंग फंड की रिपोर्ट आई है, जिसमें भारत अब पांचवी अर्थव्यवस्था से बढ़कर विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था हो गया है। हम विश्व में चौथे नंबर की आर्थिक शक्ति बन गए हैं। हमने जापान को पीछे छोड़ दिया है। अभी केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी हम से आगे हैं। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में हम तीसरे नंबर पर पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर पर पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि यह ऑपरेशन हमारी सेनाओं के शौर्य का प्रतीक है, जिसको देश और दुनिया सदियों तक याद रखेगी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिये हमने विश्व में एक बहुत बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा इस ऑपरेशन को आतंकवाद के खिलाफ हमेशा याद रखा जाएगा।

संपादक की कलम से

ग्लोबल वार्मिंग एक बड़ी चुनौती,

हर वर्ष जल के भयानक रौद्र रूप देश के कई राज्यों को मुसीबत में डाल देता है।देश के अनेक राज्यों में जैसे दिल्ली ,गुजरात ,महाराष्ट्र, उत्तरांचल, और उत्तराखंड आदि में हर वर्ष मानव अपनी जान बचाने को तरस गया है। इसी तरह भूकंप के झटके कई प्रदेशों में जनहानि तथा मालहानी की विराट समस्या पैदा कर देता है। जन संख्या में बेतहाशा वृद्धि और जमीन में मकानों के बेतरतीब, अनियंत्रित निर्माण ने ऐसी स्थिति पैदा की है' शहरों में ड्रेनेज सिस्टम बरसों पुराने हैं और अब लगभग असफल हो चुके जिसके फल स्वरूप जल का बहाव अनियंत्रित होकर शहरों के लिए विभीषिका बनकर टूट पड़ता है।देश में लगभग बाढ़ के प्रकोप से 1000 लोग प्रतिवर्ष जीवन काल से काल कवलित हो जाते हैं। हमें कब समझ में आएगा और हम कब अपनी इन हरकतों से बाज आएंगे। ग्लोबल वार्मिंग तथा अप्राकृतिक उष्णता के अनेक प्रभाव अब धरती, नदियां पहाड़, पेड़ एवं मानव जाति पर बेहद चिंताजनक रूप में दिखाई देने वाला है और निसंदेह यह प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी तथा अप्राकृतिक दोहन के फल स्वरुप होने वाला है' जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया।

पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं। नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम ,थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी।

बढ़ती उम्र में हाथ पैरों का कांपना किस बीमारी का लक्षण है? एक्सपर्ट से जानें

पार्किन्सन एक ऐसी बीमारी है जिसमें व्यक्ति के हाथ पैर कांपने लगते हैं और वह शरीर को कंट्रोल नहीं कर पाता है. पार्किन्सन ब्रेन के उन हिस्सों को प्रभावित करती है जो गति, संतुलन और समन्वय को नियंत्रित करते हैं. जब किसी व्यक्ति के शरीर में डोपामिन हार्मोन का लेवल बहुत कम हो जाता है तो यह समस्या होती है. पार्किन्सन बीमारी की शुरूआत धीरे-धीरे होती है. ऐसे में आपको इसके लक्षण पता होने चाहिए. लक्षणों की समय पर पहचान से बीमारी को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है.

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि पार्किन्सन बीमारी का सटीक कारण अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है, लेकिन जेनेटिक कारणों से ये बीमारी हो सकती है. अगर एक बार ये बीमारी हो जाए तो इसको पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है. केवल इसको कंट्रोल ही किया जा सकता है.

क्या होते हैं पार्किन्सन रोग के लक्षण?

सर्वोदय अस्पताल में न्यूरोलॉजी विभाग में डॉ. मधुकर त्रिवेदी बताते हैं कि इस बीमारी में हाथ-पैरों में कंपन, मांसपेशियों की कठोरता (ड्ड्इ८), और शरीर का संतुलन बनाने में परेशानी होती है. कुछ लोगों को चलने झ फिरने में भी परेशानी होती है और बोलने में भी दिक्कत हो सकती है. इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन इसके लक्षणों को दवाओं और थेरेपी से काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है.

मरीजों के शरीर में डोपामिन की मात्रा को बढ़ाने के लिए दवाएं दी जाती है. इसके अलावा फिजियोथेरेपी और स्वस्थ खानपान पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है. समय पर पहचान होने पर इसके प्रभाव को सीमित करना संभव होता है.

अहिल्यादेवी होलकर: दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासक

- ललित गर्ग -

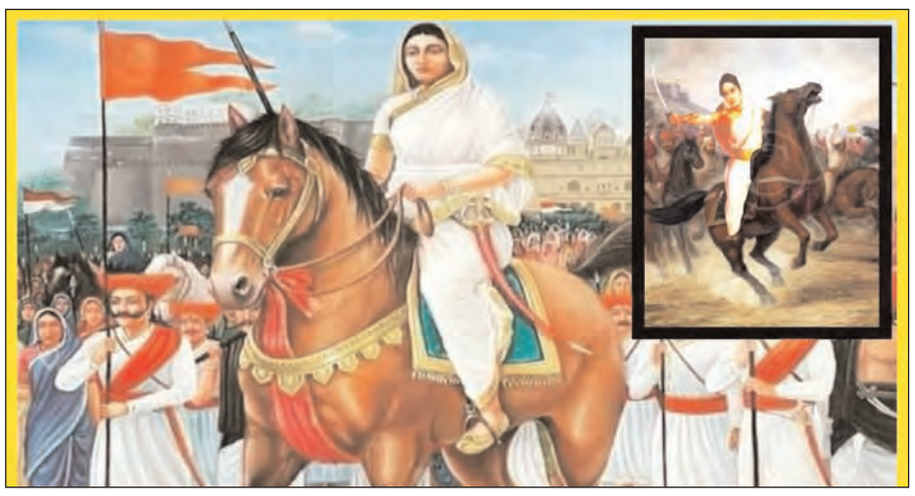

भारतीय संस्कृति के उज्वल इतिहास के सुवर्ण पृष्ठों पर अनेक शील, शौर्य, शक्ति एवं पराक्रम संपन्न नारियों के नाम अंकित हुए हैं। शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं। ऐसी ही श्रृंखला में एक नाम है राजमाता अहिल्याबाई होलकर का, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये। जन कल्याण एवं सेवा के क्षेत्र में भी उन्होंने अनेक कार्य किए। भारत ऐसी ही आदर्श नारी चरित्रों की गौरव-गाथा से विश्व गुरु कहलाता था। इस वर्ष 31 मई, 2025 को उनकी जन्म जयन्ती का त्रिशताब्दी दिवस है।

कभी-कभी वास्तविक जीवन की घटनाएं कहानियों से भी अधिक अद्भुत, साहसी, रोमांचकारी एवं विलक्षण होती है। सच यह भी है कि कभी-कभी जिन्दगी की किताब के किरदार कहानियों, फिल्मों एवं उपन्यासों के किरदारों से भी कहीं अधिक सशक्त और अविस्मरणीय होते हैं। लौह महिला महारानी अहिल्याबाई होल्कर का व्यक्तित्व व कृतित्व भी ऐसा ही है, जो उन्हें विश्व की श्रेष्ठतम महिलाओं की पंक्ति में अग्रणी बनाता है, जिनका भारत के इतिहास और जनमानस पर विशेष प्रभाव रहा है। वे भारतीय इतिहास की एक विलक्षण, साहसी, दूरदर्शी, दार्शनिक एवं पराक्रमी नायिका है। राजमाता

अहिल्याबाई होलकर, मालवा साम्राज्य की होलकर रानी थीं। उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में, मालवा की महारानी के रूप में, धर्म का संदेश फैलाने में, नयी शासन-व्यवस्था स्थापित करने और औद्योगीकरण के प्रचार-प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। अतीत से आज तक वे व्यापक रूप से अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक कौशल के लिए जानी जाती हैं। 31 मई 1725 को जामखेड, अहमदनगर (महाराष्ट्र) के चोंडी गाँव में जन्मी अहिल्या, एक साधारण परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी राव शिंदे, ग्राम प्रधान थे, जिन्होंने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया था। एक युवा लड़की के रूप में, उनकी सादगी और सुचरित्र के संयोजन ने, मालवा क्षेत्र के राजा मल्हार राव होलकर का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया। वे युवा अहिल्या से इतने प्रभावित थे कि 1733 में जब वे मुश्किल से आठ साल की भी नहीं हुई थीं, तब उन्होंने उनका विवाह अपने बेटे खंडेराव होलकर से करवा दिया। उनकी शादी के बारह साल बाद, कुम्हेर किले की घेराबंदी के दौरान, उनके पति खंडेराव की मृत्यु हो गई। अहिल्याबाई इतनी आहत हुईं कि उन्होंने सती होने का फैसला कर लिया। लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें इतना कठोर कदम उठाने से रोक लिया और अहिल्या को अपनी छत्र-छाया में लेकर, उन्हें सैन्य, राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों में प्रशिक्षित किया। राज-काज की बारीकियां समझाई। तमसो मा ज्योतिर्गमय- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। राजमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन अनेक संकटों एवं संघर्षों का साक्षी बना। एक के बाद एक पहाड जैसे दुःख, आघात उन्हें झेलने पड़े। 1766 में अहिल्या के ससुर मल्हार राव का भी निधन हो गया। उसके अगले ही वर्ष, उन्होंने अपने बेटे माले राव को भी खो दिया। बेटे को खोने का दुःख उन्होंने अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राज्य और अपनी प्रजा के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पेशवा से, मालवा के शासन को संभालने की अनुमति मांगी। हालांकि, कुछ अभिजातों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें सेना का समर्थन प्राप्त था। सेना को उन पर पूरी श्रद्धा और विश्वास था, क्योंकि वह सैन्य और प्रशासनिक मामलों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित थीं। उन्होंने कई मौकों पर सेना का नेतृत्व किया था और एक सच्चे योद्धा की तरह लड़ाई लड़ी थी। 1767 में, पेशवा ने अहिल्याबाई को मालवा पर अधिकार करने की अनुमति दे दी। 11 दिसंबर 1767 को वे गद्दी पर बैठीं और इंदौर की शासक बनीं। अगले 28 वर्षों तक महारानी अहिल्याबाई ने न्यायोचित, बुद्धिमत्तापूर्ण और ज्ञानपूर्वक तरीके से मालवा पर शासन किया। अहिल्याबाई के शासन के तहत, मालवा में शांति, समृद्धि, खुशहाली और स्थिरता बनी रही। साथ ही साथ उनकी राजधानी साहित्यिक, संगीतात्मक, कलात्मक और औद्योगिक गतिविधियों के एक बेहतरीन स्थान में परिवर्तित हो गई। कवियों, कलाकारों, मूर्तिकारों और विद्वानों का उनके राज्य में स्वागत किया गया, क्योंकि वे उनके काम को बहुत सम्मान दिया करती थीं।

रानी अहिल्याबाई ने अपने समय में विभिन्न दिशाओं में सृजन की ऋचाएं लिखी हैं, नया इतिहास रचा है। अपनी योग्यता और क्षमता से स्वयं को साबित किया है। नारी शासक के रूप उन्होंने एक छलांग लगाई, राज-व्यवस्था एवं उन्नत समाज संरचना को निर्मित करते हुए जीवन की आदर्श परिभाषाएं गढ़ी थीं। वह अपनी प्रजा को अपनी संतान मानती थी। उन्होंने अपने शासनकाल में कई कानूनों को समाप्त किया, किसानों का लगान कम किया, कृषि, उद्योग धन्धों को सुविधा देकर विकास के अनेक काम किए। चोर, डाकुओं एवं अन्य अपराधियों को सही रास्ते पर लाकर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर उनकी जीवन दिशाएं बदली। रानी अहिल्याबाई महान परोपकारी, संवेदनशील एवं करूणामयी थी। राहगीरों, गरीबों, विकलांगों, साधु- संतों,पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं सभी का ध्यान रखती थी यहां तक कि अपने सैनिकों, कर्मचारियों के कल्याण के लिए भी वह कभी पीछे नहीं हटी। मन्दिरों का जीर्णोद्धार, पर्यावरण एवं जलसंधारण, विधि एवं न्याय व्यवस्था, नारी सम्मान और नारी शिक्षा, व्यापार, कौशल-विकास आदि उनके शासन की विशेष उपलब्धियां बनी। अहिल्याबाई का हृदय समाज के सभी वर्गों के लिए धड़कता था।

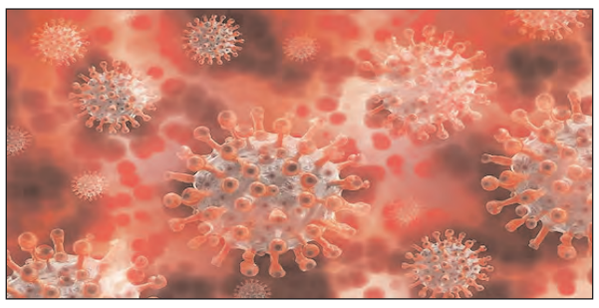

रानी अहिल्याबाई हिन्दू धर्म की पुरोधा, उन्नायक एवं रक्षक थी। उन्होंने बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम, जगन्नाथ पुरी, द्वारका, पैठण, महेश्वर, वृंदावन, सुपलेश्वर, उज्जैन, पुष्कर, पंढरपुर, चिंचवाड़, चिखलदा, आलमपुर, देवप्रयाग, राजापुर स्थानों पर मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया तथा घाट बनवाएं और धर्मशालाएं खुलवाए, जहां लोगों को प्रतिदिन भोजन मिलता था। काशी विश्वेश्वर मंदिर के साथ-साथ पूरे देश के मंदिरों का निर्माण व पुनर्निर्माण का कार्य रानी ने करवाया। त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग में तीर्थ यात्रा के लिए विश्रामगृह, अयोध्या, नासिक में भगवान श्रीराम के मंदिरों का निर्माण, सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, उज्जैन में चिंतामणि गणपति मंदिर निर्माण-ये सभी कार्य रानी ने दिल खोलकर किए हैं। उन्होंने कल्याणकारी व परोपकारी कार्यों द्वारा राष्ट्र निर्माण का महत्ती कार्य भी किया तथा देश में धार्मिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एकता कायम करने के लिए सराहनीय प्रयास किए। अहिल्याबाई ने महेश्वर में वस्त्र उद्योग भी स्थापित किया, जो वर्तमान में अपनी महेश्वरी साड़ियों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। शासन से लेकर संस्कार तक, साहित्य से लेकर समाज-निर्माण तक अनुभव गुम्फित है। न केवल राजनीति के क्षेत्र में बल्कि व्यक्ति निर्माण एवं समाज निर्माण के क्षेत्र में भी आपके विचारों का क्रांतिकारी प्रभाव देखने को मिलता है।

दार्शनिक महारानी की उपाधि से सम्मानित, अहिल्याबाई का 13 अगस्त 1795 को सत्तर वर्ष की आयु में निधन हो गया। रानी अहिल्याबाई में इतिहास के गौरवशाली वीरों के गुण देखने को मिलते हैं। कोई भी महिला इतनी सर्वगुण संपन्न कैसे हो सकती है? इतिहास, वर्तमान और भविष्य में केवल एक ही नारी में इतने गुणों का समावेश होना संभव ही नहीं है। धर्माचरण, शासन प्रबंध, विद्वानों का सम्मान व न्याय, दानशीलता ,उदार धर्म नीति, भक्ति भावना, वीरता, त्याग व बलिदान, साहस, शौर्य से परिपूर्ण रानी अहिल्याबाई युगों- युगों तक अमर रहेगी।

नए वायरस का खतरा सतर्कता और तैयारी

कोरोना के नए वायरस ने वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और शोधकताओं को सतर्क कर दिया है, क्योंकि यह संभावित महामारी का संकेत हो सकता है और वैश्विक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। यह वायरस कोरोना की तरह मनुष्यों को संक्रमित करने में सक्षम हो सकता है। यह तथ्य इसे विशेष रूप से चिंताजनक बनाता है, क्योंकि यह वायरस एक नए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे सकता है, क्यूंकि इस वायरस के तेजी से फैलने की क्षमता इसे घातक बना सकती है। इसके मामले भी अब मिलने शुरू हो चुके हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संगठन इस नई खोज को लेकर अधिक पारदर्शिता की मांग होनी चाहिए । कोविड 19 महामारी ने दुनिया को यह सीख दी है कि किसी भी महामारी के शुरूआती चरण में पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई आवश्यक होती है अन्यथा यह लापरवाही दुनिया में लाकडाउन के हालात पैदा कर सकते हैं कइसलिए दुनिया को कोरोना से सबक लेते हुए इस नए वायरस की निगरानी और अध्ययन बेहद जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को इस पर नजर बनाए रखनी होगी। इसके अलावा, सरकारों को भी अपनी तैयारियों को बढ़ाना होगा ताकि किसी भी संभावित महामारी से निपटा जा सके। यदि इस वायरस के प्रसार के संकेत मिलते हैं, तो सरकारों को तुरंत एहतियाती कदम उठाने होंगे। भारत को नए संभावित खतरे वाले वायरस की शुरूआती चेतावनियों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कदम उठाने चाहिए। सरकार को वैज्ञानिक समुदाय के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की स्क्रीनिंग करना और अस्पतालों की तैयारियों को मजबूत करना होगा। सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाते हुए स्वच्छता उपायों और शेष यदि हो तो, कोविड टीकाकरण पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा, वैश्विक संगठनों से समन्वय स्थापित कर वायरस की निगरानी करनी होगी ताकि किसी भी संभावित खतरे से समय रहते निपटा जा सके। महामारियों–विशेषकर कोविड-19–से प्राप्त अनुभवों से यह स्पष्ट हो गया है कि वैज्ञानिक शोध, सुदृढ़ स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली और अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही ऐसी आपात स्थितियों से लड़ने के प्रमुख स्तंभ हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकारें और स्वास्थ्य संगठन अभी से इस संभावित खतरे के प्रति सतर्क होकर आवश्यक नीतियाँ और संरचनाएं विकसित करें। पूर्व-तैयारी, संसाधनों का समुचित प्रबंधन और सार्वजनिक जागरूकता अभियानों के माध्यम से ही हम इस प्रकार के किसी भी नए संक्रमण को महामारी बनने से रोक सकते हैं। यदि इस वायरस के प्रसार को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया, तो मानवता एक और वैश्विक संकट से सुरक्षित रह सकती है। यदि इस वायरस के प्रसार को समय रहते नियंत्रित किया गया।

तो हम एक और महामारी से बच सकते हैं। कोविड-19 ने यह सिखाया है कि किसी भी महामारी से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है झ सतर्कता और सावधानी।

भूख की तकलीफ और दर्द को कभी हम समझ पाये

दुनिया में करोड़ो लोग हर दिन भूख की तकलीफ को जीते हैं, बढ़ती उम्र, शारीरिक कमजोरी, गंभीर बिमारी, दिव्यांगता, अनाथ बेसहारा या कोई भी मजबूरी हो, जब तक आखिरी सांस है, तब तक भूख मिटाने के लिए अनाज चाहिए। केवल दो वक्त की रोटी के जद्दोजहद में ही न जाने कितनो की जिंदगी गुजर जाती है। दुनिया में हर कोई अपने हिस्से का भरपेट अन्न प्राप्त नहीं कर पाता है, अब तो अन्न में पोषक तत्वों की भारी कमी भी बड़ी समस्या है। भूख की कीमत बहुत छोटीसी है, लेकिन फिर भी विश्व में बहुत बड़ा वर्ग इस कीमत को भी नहीं चूका पाता। दो वक्त की रोटी और परिवार के भरणपोषण के लिए मनुष्य लगातार संघर्ष करता है। भूख के कारण कई मासूम जिंदगियां कम उम्र में ही जान गंवाती है। अमीर का भोजन महंगा और गरीब का भोजन सस्ता हो सकता है परंतु भूख सबकी एक होती है, भले ही पैसा, पद, देश, प्रतिष्ठा, रंग-रूप, ऊंच-नीच, धर्म-जात कोई भी हो परंतु भूख में अंतर नहीं होता। जिनके पास पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध है उनको अन्न के मूल कीमत का ज्ञान नहीं होता, वें केवल पैसे से उसका दाम लगाते है, इसलिए शायद खाद्य बबार्दी में हमारा देश विश्व में दूसरे क्रमांक पर आता है। जिनके पास भरपूर मात्रा में भोजन के विभिन्न पर्याय उपलब्ध है, वे स्वाद अनुरूप थोडासा खाना खाकर बाकी बचा हुआ अन्न सहजता से फेंक देते है। किसी भी कारणवश जिस दिन हमें भूख लगने पर भी भोजन नहीं मिलता, उस दिन रूखी-सुखी रोटी की भी अहमियत दुनिया की बड़ी दौलत नजर आती है। भोजन की कमी के कारण बहुत बड़ी जनसंख्या नरकीय यातनाओं में जीवन बसर करती है। जन्म से ही भोजन की कमी के कारण बच्चों का सर्वांगीण विकास नहीं होता, संघर्षमय जीवन तभी से शुरू हो जाता है, जिम्मेदारियों का बोझ मासूम कंधो पर आ जाता है, इन जिम्मेदारियों के आगे उनके अधिकार, न्याय, समानता भी बौने प्रतीत होते है। बच्चे से उसका बचपन और मासूमियत छीन ली जाती है, भविष्य अंधकारमय लगता है। अन्न की कमी से जूझते हुए लोग मजबूरी में बद से बदतर स्थिति का सामना करते है, जो मिले वो खाने को तैयार होते है, लोगों की जूठन, कूड़ा, घासपुस यहाँ तक की मिट्टी तक खाते है, हैती देश में गरीब लोग मिट्टी की रोटी बनाकर खाते है। भूख सीधे हमारे स्वास्थ्य पर असर करती है, इससे शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के नुकसान झेलने पड़ते है। भूख इंसान से गुनाह तक करवाती है। हर साल 28 मई को "विश्व भूख दिवस" दुनियाभर में जागरूकता हेतु मनाया जाता है। इस साल 2025 की थीम "हर कोई खाने का हकदार है" यह है। यह थीम प्रत्येक के लिए पौष्टिक भोजन तक पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डालती है। विश्व में सभी लोगों को खाने के लिए पर्याप्त भोजन उगता है, अर्थात कोई भूखा नहीं रहेंगा, फिर भी, बड़ी जनसंख्या पर्याप्त कैलोरी और पोषक तत्वों की कमी से झुज रही है, क्योंकि वे स्वस्थ आहार का खर्च नहीं उठा सकते, साथ ही दूसरी ओर खाद्य बबार्दी है। हर साल, नौ मिलियन लोग भूख से संबंधित कारणों से मर जाते हैं; इनमें से कई 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं। सभी बाल मृत्युओं में से आधे कुपोषण के कारण होती हैं। विश्व बैंक के अनुसार, वैश्विक खाद्य कीमतों में मात्र 1 प्रतिशत की वृद्धि से 10 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी में चले जाते है। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक अनुसार, 18.3 प्रतिशत आबादी अत्यधिक बहुआयामी गरीबी में रहते हैं। 83.7 प्रतिशत गरीब लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। सभी गरीब लोगों में से लगभग 70.7 प्रतिशत लोग उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया के ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। 2024 के वैश्विक भूख सूचकांक में भारत 127 देशों में 105वें स्थान पर है, जिसका स्कोर 27.3 है, जो भूख के "गंभीर" स्तर को दशार्ता है। यह खाद्य असुरक्षा और कुपोषण की मौजूदा चुनौतियों के कारण उत्पन्न "गंभीर" भूख संकट को उजागर करता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे अविकसित है। बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका जैसे दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों का प्रदर्शन अच्छा है तथा वे "मध्यम" श्रेणी में आते हैं। यूएनईपी की खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2024 में भारत वैश्विक स्तर पर शीर्ष खाद्य अपशिष्ट उत्पादकों में शामिल है, भारत में प्रति व्यक्ति घरेलू खाद्यान्न की बबार्दी प्रति वर्ष 55 किलोग्राम है, देश में विशाल जनसंख्या के कारण प्रति वर्ष कुल 78 मिलियन टन खाद्यान्न बर्बाद हो जाता है।

विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति के 2024 संस्करण के अनुसार, 2023 में 713 से 757 मिलियन लोगों को भूख का सामना करना पड़ा अर्थात दुनिया में हर 11 में से एक व्यक्ति और अफ्रीका में हर पांच में से एक व्यक्ति। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2.33 बिलियन लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे है और 3.1 अरब से अधिक लोग पोषकतत्वों से भरपूर आहार खरीदने में असमर्थ है। सेव द चिल्ड्रेन इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन के विश्लेषण के अनुसार, 2024 में कम से कम 18.2 मिलियन बच्चे भूख की स्थिति में पैदा हुए, अर्थात प्रति मिनट लगभग 35 बच्चे। संघर्ष और जलवायु संकट की यह स्थिति प्रत्येक वर्ष कम से कम 800,000 अतिरिक्त बच्चों को भूख की ओर धकेलेंगी। संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक भुखमरी को दुनिया से पूरी तरह से समाप्त करने का लक्ष्य रखा है, यद्यपि कुछ क्षेत्रों में प्रगति हो रही है, फिर भी समग्र रूप से भूख का स्तर पिछले कुछ वर्षों से स्थिर बना हुआ है। जलवायु परिवर्तन, संघर्ष और आर्थिक असमानता जैसे कारक समस्या को अधिक बढ़ा रहे हैं। कंसर्न वर्ल्डवाइड के अनुसार, यदि प्रगति की वर्तमान गति जारी रही, तो भुखमरी के स्तर को कम करने में साल 2160 तक का समय लग सकता है। 2024 के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक में भारत 143 देशों में से 126वें स्थान पर है। ऑक्सफैम रिपोर्ट ने दशार्या है कि, शीर्ष 1 प्रतिशत की आय हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि हुई है। शीर्ष 5 प्रतिशत भारतीयों के पास देश की 60 प्रतिशत से अधिक संपत्ति है, निचले 50 प्रतिशत लोगों की आय में हिस्सेदारी में लगातार गिरावट आई है। ऑक्सफैम इंडिया की "सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट" रिपोर्ट 2023 अनुसार, भारत में अरबपतियों की कुल संख्या 2020 में 102 से बढ़कर 2022 में 166 अरबपति हो गई है, जबकि भूख से जूझ रहे भारतीयों की संख्या 190 मिलियन से बढ़कर 350 मिलियन हो गई है। वस्तुओं और सेवाओं पर उत्पाद शुल्क और जीएसटी में काफी वृद्धि की गई है, जिसका सीधा असर अधिकतर गरीबों के हिस्से पड़ता है। भारत के अरबपतियों की कुल संपत्ति 2024 में 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ी।

इजराइल ने गाजा में हमास के साथ नए युद्ध विराम प्रस्ताव को खारिज किया

तेल अवीव। इजराइल ने गाजा में फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास के साथ बंधकों के बदले युद्ध विराम प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। इजराइल के इस आक्रामक रुख से अमेरिका को तगड़ा झटका लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों से यह नया प्रस्ताव इजराइल के सामने रखा गया था। इजराइल के प्रमुख न्यूज पोर्टल वाईनेट और अखबार द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबरों के अनुसार इजराइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने नए प्रस्तावित बंधक-युद्ध विराम समझौते को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और फिलिस्तीनी मध्यस्थों के माध्यम से यह प्रस्ताव प्राप्त हुआ। इसकी शर्तों को स्वीकार करना असंभव है। ऐसी शर्तें इजराइल के उद्देश्य और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने की रणनीति को कमजोर कर देंगी। ऐसी शर्तों को स्वीकार करने का मतलब हमास के समक्ष आत्मसमर्पण करने जैसा होगा। इस अधिकारी ने कहा कि फिलिस्तीनी-अमेरिकी व्यवसायी बशारा बहबाह ने रातों-रात इस तरह के प्रस्ताव की रूपरेखा अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ के साथ तैयार की। शर्तों में कहा गया कि पहले दिन केवल पांच जीवित बंधकों की चरणबद्ध रिहाई होगी।

पाकिस्तान और तुर्किये रणनीतिक सहयोग को आगे ले जाने पर सहमत

इंस्ताबुल (तुर्किये)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेता रणनीतिक साझेदारी को और ऊंचाइयों पर ले जाने पर सहमत हुए। शहबाज चार मित्र देशों की यात्रा के तहत कल दो दिवसीय दौरे पर तुर्किये पहुंचे। प्रधानमंत्री 30 मई तक ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान का दौरा करेंगे। द नेशन अखबार की आज की खबर के अनुसार शहबाज ने इस्तांबुल में राष्ट्रपति एर्दोआन के साथ बैठक में भारत के साथ तनाव के दौरान पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए तुर्किये की सराहना की। बैठक में पाकिस्तान और तुर्किये ने क्षेत्रीय शांति, सतत विकास और साझा समृद्धि के लिए रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के अलावा द्विपक्षीय बहुआयामी सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। प्रधानमंत्री शहबाज के साथ फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर, उप प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार, प्रधानमंत्री के विशेष सलाहकार सैयद तारिक फातमी और तुर्किये में पाकिस्तान के राजदूत डॉ. यूसुफ जुनैद भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री शहबाज ने अक्षय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, रक्षा उत्पादन, बुनियादी ढांचे के विकास और कृषि सहित प्रमुख क्षेत्रों पर तुर्किये के राष्ट्रपति से चर्चा की। दोनों नेताओं ने 13 फरवरी को इस्लामाबाद में रणनीतिक सहयोग परिषद के सातवें सत्र में लिए गए प्रमुख निर्णयों के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की।

भारत के मोस्ट वांटेड दो आतंकियों को नेपाल के हवाईअड्डे से दुबई भेजे जाने का खुलासा

काठमांडू। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से भारत के मोस्ट वांटेड दो आतंकियों को बिना किसी रोकटोक के दुबई भेजे जाने का खुलासा हुआ है। हाल ही में त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर एंटी करप्शन ब्यूरो ने छापेमारी कर मानव तस्करी के आरोप में इमिग्रेशन विभाग के प्रमुख और गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव तीर्थराज भट्टराई को गिरफ्तार किया। वहां मौजूद रिकॉर्ड की जांच होने के बाद इस बात का खुलासा हुआ है। भारत ने मोस्ट वांटेड इन दोनों आतंकियों का पासपोर्ट ब्लैक लिस्टेड किया हुआ था और इसकी जानकारी भी नेपाल के सुरक्षा अधिकारियों को दी गई थी। भारतीय सुरक्षा बलों ने बाकायदा लिखित जानकारी देते हुए इन दोनों मोस्ट वांटेड आतंकियों की गिरफ्तारी के लिए अनुरोध किया था।नेपाल के इमिग्रेशन विभाग को इन दोनों ही आतंकियों के बारे में पूरी जानकारी थी। इसके बावजूद दोनों को बिना किसी रोकटोक के दुबई की उड़ान से तीन महीने पहले सुरक्षित फरार होने दिया गया। ब्यूरो के प्रवक्ता राजेन्द्र पौडेल ने कहा कि पिछले एक वर्ष में मानव तस्करी की जांच करने के दौरान पाया गया कि जिन दो व्यक्तियों का पासपोर्ट ब्लैकलिस्टेड था, उनको भी बिना किसी रोकटोक के जाने दिया गया। उन्होंने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए फरार हुए आतंकियों के बारे में अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने बताया कि इस बारे में तीन महीने पहले ही भारतीय पक्ष की तरफ से शिकायत किए जाने के बाद एयरपोर्ट इमिग्रेशन के प्रमुख भट्टराई से स्पष्टीकरण पूछा गया था।

राजतंत्र समर्थक प्रदर्शन विफल बनाने के लिए प्रधानमंत्री का पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश

काठमांडू। काठमांडू में 29 मई को होने वाले राजतंत्र समर्थक प्रदर्शन को पूरी तरह से विफल बनाने के लिए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है। गणतंत्र को बचाने के नाम पर प्रधानमंत्री के इस निर्देशन से 29 मई को काठमांडू में एक बार फिर से दोनों पक्षों में टकराव होने की संभावना बढ़ गई है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) के सचिवालय समिति की बैठक के बाद पार्टी के महासचिव शंकर पोखरेल ने बताया कि बैठक के दौरान पार्टी अध्यक्ष तथा प्रधानमंत्री ओली ने पार्टी से जुड़े सभी संगठनों के कार्यकर्ताओं को काठमांडू के सभी स्थानों पर कब्जा करने को कहा है। उन्होंने कहा कि 29 मई को एमाले के कार्यकर्ता सभी प्रमुख स्थानों पर मौजूद रहेंगे, ताकि राजा समर्थक दलों को प्रदर्शन के लिए स्थान ही नहीं मिले।

इंग्लैड में लिवरपूल एफसी के जीत की खुशी में डूबी भीड़ पर चढ़ा दी कार, 50 घायल

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड में लिवरपूल एफसी (फुटबाल टीम) की जीत परेड में भीड़ पर कार चढ़ाने से बच्चों समेत करीब 50 लोग घायल हो गए। क्लब के प्रीमियर लीग खिताब समारोह के आखिर में सिटी सेंटर में टक्कर लगने के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। लिवरपूल शहर के लिए खुशी का मौका खौफ में बदल गया। यह वाकया सोमवार शाम लिवरपूल एफसी की प्रीमियर लीग विजय परेड में वाटर स्ट्रीट पर हुआ। इससे अफरा-तफरी मच गई। शहर के बीचों-बीच एक कार पैदल यात्रियों से टकरा गई, जिसमें बच्चों सहित करीब 50 लोग घायल हो गए। सड़क मार्ग से लिवरपूल की दूरी लंदन से 210.9 मील है।लंदन के अखबार द गार्डियन की खबर के अनुसार, 53 वर्षीय श्वेत ब्रिटिश व्यक्ति को कार का चालक माना जा रहा है। उसे शहर के बीचों-बीच वाटर स्ट्रीट पर गिरफ्तार कर लिया गया। वाटर स्ट्रीट रॉयल लिवर बिल्डिंग और टाउन हॉल से कुछ

मीटर की दूरी पर है। लिवरपूल के हजारों प्रशंसक अपने क्लब की प्रीमियर लीग जीत का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर थे। भीड़ को रौंदने की सूचना पाकर आपातकालीन सेवा के अधिकारी और कर्मचारी शाम करीब 6 बजे वाटर स्ट्रीट पर पहुंचे। नॉर्थ वेस्ट एम्बुलेंस सेवा ने देररात प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की कि 27 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। इनमें से एक बच्चे सहित दो घायलों को गंभीर चोट आई है।घटनास्थल पर 20 मरीजों का इलाज किया गया। कुल चार बच्चे घायल हुए। मर्सिडेस पुलिस की एसीसी जेनी सिम्स ने इसे आतंकवादी घटना मानने से इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। उन्होंने पीड़तों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। इस परेड में शामिल 55 वर्षीय लेस विंसपर ने कहा कि कार की टक्कर से एक व्यक्ति हवा में 20 फीट ऊंचाई पर उछल कर दूर गिरा। इस दौरान कार लोगों को रौंदते हुए निकल गई। विंसपर के दोस्त क्रेग स्टीवर्ड ने कहा कि चारों ओर अराजकता थी। डर से कांप रहे बच्चे रो रहे थे। इस परेड का सपरिवार हिस्सा रहे बीबीसी रिपोर्टर मैट कोल के अनुसार, चारों ओर चीख-पुकार मची हुई थी। अचानक एक गहरे नीले रंग की कार भीड़ को चीरते हुए आगे निकल गई। लिवरपूल सिटी क्षेत्र के मेयर स्टीव रोथरम ने कहा कि उनकी संवेदनाएं सभी पीड़ितों के साथ हैं। लिवरपूल टाउन हॉल इंग्लैंड के मर्सीसाइड के लिवरपूल शहर में स्थित एक ऐतिहासिक इमारत है। यह डेल स्ट्रीट, कैसल स्ट्रीट और वॉटर स्ट्रीट के जंक्शन पर हाई स्ट्रीट में स्थित है. टाउन हॉल का उपयोग लिवरपूल सिटी काउंसिल के लिए एक बैठक स्थल और विभिन्न सार्वजनिक समारोहों के लिए किया जाता है. यह एक महत्वपूर्ण वास्तुकला स्थल है और लिवरपूल में एक प्रमुख आकर्षण है. लंदन से लिवरपूल कितनी दूर है? लंदन और लिवरपूल के बीच की दूरी 194 मील है। सड़क मार्ग से दूरी 210.9 मील है।

ट्रंप ने जताई हार्वर्ड से 3 अरब डॉलर की ग्रांट वापस लेकर ट्रेड स्कूलों को देने की इच्छा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि वे हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को दी गई तीन अरब डॉलर की संघीय ग्रांट को वापस लेकर देशभर के ट्रेड स्कूलों (व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों) को आवंटित करने पर विचार कर रहे हैं।यह बयान ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, जो एक सप्ताह पहले उनके प्रशासन द्वारा हार्वर्ड को विदेशी छात्रों को नामांकित करने से रोकने के प्रयासों के बाद सामने आया है।

हाल ही में ट्रंप ने हार्वर्ड को दी गई लगभग 03 अरब डॉलर की संघीय सहायता राशि को रोक दिया था, जिसके चलते विश्वविद्यालय ने अदालत का रुख करते हुए इस फंड को बहाल करने की मांग की है। यह ग्रांट राशि मुख्य रूप से नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के माध्यम से बायोमेडिकल रिसर्च के लिए आवंटित की जाती है, एक ऐसा क्षेत्र जिसमें ट्रेड स्कूल आम तौर पर

शामिल नहीं होते। ऐसे में ट्रंप के इस प्रस्ताव ने शिक्षा और शोध जगत में व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। हालांकि हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने इस मुद्दे पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं व्हाइट हाउस ने भी यह स्पष्ट नहीं किया है कि ट्रंप किन विशेष फंडों को पुनः आवंटित करना चाहते हैं।

यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें देना 'खतरनाक कदम' : क्रेमलिन ने जताई आपत्ति

एजेंसी

मास्को/बर्लिन। यूक्रेन को पश्चिमी देशों द्वारा बिना सीमा प्रतिबंधों के लंबी दूरी की मिसाइलें देने के निर्णय पर रूसी क्रेमलिन ने कड़ी आपत्ति जताई है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने चेतावनी दी कि इस प्रकार के निर्णय राजनीतिक समाधान की संभावनाओं के विपरीत हैं और यह कदम यूरोपीय सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। यह बयान तब आया है जब जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने ही एक चर्चा कार्यक्रम के दौरान कहा कि अब यूक्रेन को मिलने वाले हथियारों की रेंज पर कोई सीमा नहीं लगाई जा रही है। मर्ज ने स्पष्ट किया, अब ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की ओर से यूक्रेन को दिए जा रहे हथियारों पर दूरी की कोई बंदिश नहीं है। अमेरिका की ओर से भी अब ऐसी कोई पाबंदी नहीं है।चांसलर मर्ज ने कहा कि इसका मतलब है कि यूक्रेन अब रूस के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला कर सकता है, जो पहले संभव नहीं था। उन्होंने यह भी

बताया कि इससे पहले तक यूक्रेन को केवल रूस द्वारा कब्जाए गए क्षेत्रों में ही इन हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति थी। क्रेमलिन प्रवक्ता पेसकोव ने कहा कि ऐसे निर्णय तनाव को और अधिक बढ़ा सकते हैं और यूरोप को एक अप्रत्यक्ष युद्ध में खींचने का जोखिम बढ़ा सकते हैं। उन्होंने पश्चिमी देशों से संयम बरतने की अपील की और कहा कि ऐसा कदम राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान के रास्ते को पूरी तरह बंद कर देगा। पिछले वर्ष अप्रैल में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने यूक्रेन को आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) देने की मंजूरी दी थी, जिससे पहली बार यूक्रेनी सेना को 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें मिली थीं।

गैंट्ज ने जिनी से शिन बेट प्रमुख के रूप में नियुक्ति को ठुकराने का किया आग्रह

एजेंसी

येरुशलम। इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के प्रमुख के रूप में मेजर जनरल डेविड जिनी की नियुक्ति पर गहराता राजनीतिक विवाद अब राष्ट्रीय संकट का रूप लेता जा रहा है। नेशनल यूनिटी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने जिनी से सार्वजनिक रूप से अपील की है कि वे इस नियुक्ति को स्वीकार न करें।

गैंट्ज ने संसद (केनेसट) में अपनी पार्टी की बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा हाई कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर की गई यह नियुक्ति सुरक्षा प्रतिष्ठान की मूल भावना को चोट पहुंचाने वाली है। शिन बेट को राजनीति की दलदल में घसीटना देश की सुरक्षा और लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। गैंट्ज का आरोप है कि जिनी की नियुक्ति न केवल प्रक्रिया की उपेक्षा है, बल्कि यह पूरी नियुक्ति प्रणाली को कलंकित करती है। शिन बेट जैसे संवेदनशील पद के लिए नियुक्ति पांच मिनट की जीप में बातचीत के आधार पर नहीं की जाती।

इस विवाद की शुरुआत आठ मई को तजीलिम सैन्य अड्डे पर

नेतन्याहू और जिनी के बीच हुई एक संक्षिप्त मुलाकात से हुई थी, जिसके दौरान प्रधानमंत्री ने जिनी से पूछा था कि क्या वे शिन बेट के प्रमुख बनने के इच्छुक हैं। इसके कुछ ही दिनों बाद जिनी की सैन्य सेवा को समाप्त कर दिया गया, क्योंकि उन्होंने यह बैठक सेना प्रमुख एयाल जमीर की जानकारी के बिना की थी। गैंट्ज ने इस घटनाक्रम को लेकर तीन गंभीर संभावनाएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि पहला यह कि नेतन्याहू ने यह मुलाकात रक्षा मंत्री और सेना प्रमुख को दरकिनार कर की, जो सुरक्षा दृष्टि से अत्यंत गंभीर मामला है। दूसरा, नेतन्याहू ने जिनी की सुरक्षा नीतियों और दृष्टिकोण को जाने बिना यह नियुक्ति की, जो लापरवाही है। तीसरा यह कि यह निर्णय किसी निजी लाभ के बदले लिया गया, जो भ्रष्टाचार का संकेत देता है। उन्होंने आगे कहा कि मेजर जनरल जिनी एक योग्य और साहसी सैन्य अधिकारी हैं। मैं नहीं मानता कि उन्होंने प्रधानमंत्री से किसी प्रकार का निजी वादा किया होगा। लेकिन जिस तरीके से यह प्रक्रिया हुई है, वह हमें एक अभूतपूर्व सरकारी संकट की ओर ले जा रही है। गैंट्ज ने जिनी से अपील की कि वे सार्वजनिक रूप से इस नियुक्ति को अस्वीकार करें और यह स्पष्ट करें कि इस तरह के राजनीतिक तरीके उन्हें स्वीकार नहीं हैं।

मेमोरियल डे पर ट्रंप का भाषण : 'हम अपने शहीद नायकों को कभी नहीं भूलेंगे'

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री में मेमोरियल डे के अवसर पर एक भावुक और राजनीतिक रंग से भरपूर भाषण दिया। अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ की सराहना करते हुए कहा कि दोनों 'बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं' और हेगसेथ को उन्होंने 'तगड़ा खिलाड़ी' बताया।

ट्रंप ने अपने भाषण में कहा कि मेमोरियल डे उन अमर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा, हम अपने शहीद नायकों को कभी नहीं भूलेंगे और न ही उनके प्रति हमारे कर्तव्य को। उन्होंने आगे कहा कि जो योद्धा अपने अंतिम सांस तक मातृभूमि के लिए लड़े, वे हमेशा अमेरिकी आत्मा का हिस्सा बने

रहेंगे। ट्रंप ने कहा कि यह मेमोरियल डे विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अमेरिकी क्रांति के आरंभ की 250वीं वर्षगांठ के वर्ष में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन देशभक्तों ने युद्धभूमि में बलिदान दिया, उन्होंने हमें आजादी, गरिमा और सम्मान के साथ जीने वाली दुनिया का सबसे महान गणराज्य दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व की बाइडन सरकार के कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि पिछले चार लंबे और कठिन वर्षों÷ में अमेरिका को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान अवैध आव्रजन और आंतरिक अराजकता का बोलबाला रहा। लेकिन अब उन गलतियों को सुधारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम आज की परिस्थितियों में बहुत अच्छा कर रहे हैं। हम एक राष्ट्र के रूप में पहले से और बेहतर प्रदर्शन करेंगे, इसका मैं आपसे वादा करता हूं। अपने भाषण के एक अलग अंदाज में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को 2026 फीफा वर्ल्ड कप और 2028 समर ओलंपिक्स की मेजबानी दिलवाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि मेरे कार्यकाल में हमने वर्ल्ड कप और ओलंपिक्स हासिल किए। कुछ मायनों में मैं खुश हूं कि मैं दूसरा कार्यकाल मिस कर गया।

अमेरिका के साउथ कैरोलिना में गोलीबारी, 11 लोग घायल

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के साउथ कैरोलिना राज्य के एक तटीय शहर में हुई गोलीबारी में कम से कम 11 लोग घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। यह गोलीबारी लिटिल रिवर शहर में रात करीब 10 बजे से पहले पुलिस मेमोरियल डे वीकेंड के मौके पर हुई। साउथ कैरोलीना राज्य के उत्तर में नॉर्थ कैरोलीना, दक्षिण और पश्चिम में जॉर्जिया और पूर्व में अटलांटिक महासागर है। एनबीसी न्यूज के अनुसार होरी काउंटी पुलिस विभाग ने बयान में कहा कि लिटिल रिवर के समुदाय में गोलीबारी के बाद और पीड़ितों को निजी वाहनों से अस्पतालों में ले जाया गया। घायलों की स्थिति कैसी है, यह फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने समुदाय के सदस्यों को गोलीबारी स्थल के आसपास से दूर रहने की सलाह दी है। मर्टल बीच पुलिस ने एक अलग बयान में कहा कि गोलीबारी की आवाज सुनकर पहुंचे नॉर्थ मर्टल बीच के एक पुलिस अधिकारी की बंदूक गलती से चल गई। अधिकारी के पैर में गोली लगी है। उन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया है। लिटिल रिवर साउथ कैरोलिना तट के ग्रैंड स्ट्रैंड और उत्तरी कैरोलिना की सीमा के पास 11,000 से ज्यादा लोग रहते हैं। यह शहर गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के चार्टर, बोट क्रूज और कैसीनो बोट के लिए जाना जाता है। यह मर्टल बीच से लगभग 25 मील उत्तर-पूर्व में है एबीसी न्यूज के अनुसार साउथ कैरोलिना के लिटिल रिवर में पुलिस मेमोरियल डे वीकेंड पर हुई गोलीबारी की घटना में घायलों को पुलिस के पहुंचने से पहले क्षेत्र के अस्पतालों में पहुंचा दिया गया। यह घटना लिटिल रिवर के वॉटसन एवेन्यू पर हुई।

'डीजलगेट' घोटाला- वोल्क्सवैगन के चार पूर्व प्रबंधक धोखाधड़ी के दोषी करार, दो को जेल की सजा

एजेंसी

ब्राउनश्वेग (जर्मनी)। करीब एक दशक पहले शुरू हुए 'डीजलगेट' उत्सर्जन घोटाले में वोल्क्सवैगन के चार पूर्व वरिष्ठ प्रबंधकों को धोखाधड़ी का दोषी पाया गया है। जर्मनी के ब्राउनश्वेग शहर की अदालत ने फैसला सुनाते हुए दो अभियुक्तों को जेल की सजा, जबकि दो को निलंबित सजा (सस्पेंडेड सेंटेंस) सुनाई। अदालत ने जिन चार लोगों को दोषी पाया है, उनमें हाइन्ज-याकब न्यूसर, जो वोल्क्सवैगन में विकास प्रमुख थे, को 01 वर्ष 03 महीने की निलंबित सजा सुनाई गई। हैनो जे, जो कंपनी में ड्राइव इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख थे, को 02 वर्ष 07 महीने की जेल की सजा दी गई। जेंस एच, जो डीजल मोटर विकास प्रमुख थे, को सबसे कड़ी सजा 04 वर्ष0 6 महीने की जेल दी गई। जबकि चौथे अभियुक्त को 01 वर्ष 10 महीने की निलंबित सजा

सुनाई गई। इन सभी को अपील का अधिकार प्राप्त है। इस मामले में अमेरिका में पहले ही दो वोल्क्सवैगन अधिकारियों को जेल हो चुकी है। वोल्क्सवैगन की सहयोगी कंपनी ऑडी के पूर्व प्रमुख रूपर्ट स्टैडलर को 21 महीने की निलंबित सजा और क1.1 मिलियन का जुर्माना लगाया गया, जिसकी अपील अभी विचाराधीन है। इस केस में वोल्क्सवैगन के पूर्व सीईओ मार्टिन विंटरकोर्न को भी आरोपित बनाया गया था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उनके खिलाफ प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है। विंटरकोर्न ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। फिलहाल जर्मनी में इस घोटाले से जुड़े 31 अन्य संदिग्धों के खिलाफ जांच और कानूनी कार्यवाही अब भी जारी है।

क्या था 'डीजलगेट' घोटाला: यह घोटाला सितंबर 2015 में सामने आया था जब अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने वोल्क्सवैगन पर आरोप लगाया कि कंपनी ने इंजन नियंत्रण सॉफ्टवेयर में हेरफेर कर वाहन परीक्षणों में कम उत्सर्जन दिखाया, जबकि वास्तविक ड्राइविंग में गाड़ियां कई गुना ज्यादा प्रदूषण छोड़ रही थीं। इस खुलासे के बाद वोल्क्सवैगन को वैश्विक स्तर पर 33 अरब डॉलर (करीब 2.75 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा के जुर्माने और मुआवजे चुकाने पड़े।

पूर्व अमेरिकी कांग्रेस सदस्य चार्ल्स रैंगल का 94 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

न्यूयॉर्क। कांग्रेशनल ब्लैक कॉकस के संस्थापक सदस्यों में शुमार और अमेरिकी कांग्रेस की ताकतवर हाउस वेज एंड मीन्स कमेटी के पहले अफ्रीकी-अमेरिकी अध्यक्ष चार्ल्स रैंगल का निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। उनके निधन की पुष्टि सिटी कॉलेज ऑफ न्यूयॉर्क द्वारा जारी एक बयान में की गई। चार्ल्स रैंगल का राजनीतिक जीवन अद्वितीय रहा।

वह कोरियन युद्ध के अनुभवी सैनिक थे, और उन्होंने 1970 में प्रसिद्ध हार्लेम नेता एडम क्लेटन पॉवेल को हराकर अमेरिकी कांग्रेस में प्रवेश किया। इसके बाद रैंगल ने लगातार 45 वर्षों तक न्यूयॉर्क के लोगों की सेवा की और 2016 में सार्वजनिक जीवन से संन्यास लिया। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर रैंगल को श्रद्धांजलि दी

और कहा, चार्ल्स रैंगल एक महान व्यक्ति, सच्चे मित्र और वह नेता थे जो कभी अपने मतदाताओं के लिए लड़ना नहीं छोड़ा। शूमर ने आगे कहा कि रैंगल की उपलब्धियां अनगिनत हैं और उन्होंने दुनिया को पहले से बेहतर बना दिया। उन्होंने सामाजिक न्याय, नस्लीय समानता और कर प्रणाली सुधारों के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी। वह अमेरिका में अश्वेत नेतृत्व के प्रतीक थे और उन्होंने राजनीतिक दायरे में कई बाधाएं तोड़ीं।

बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश लेकर सिंगापुर पहुंचा

सिंगापुर। जापान और दक्षिण कोरिया के नेताओं और थिंक टैंकों के साथ सफल विचार-विमर्श के बाद, भारत का एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को सिंगापुर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जनता दल-यूनाइटेड नेता और राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा कर रहे हैं। यह बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के विरुद्ध भारत के दृढ़ रुख को प्रस्तुत करने तथा पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी गतिविधियों के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए यहां पहुंचा ताकि वैश्विक नेताओं से अपील की जा सके कि अब आतंकवादी संगठनों से निपटने का समय आ गया है। दक्षिण कोरिया के सोल से यहां पहुंचने के बाद एक प्रतिनिधि ने कहा, 'प्रतिनिधिमंडल भारत के कूटनीतिक आउटरीच के हिस्से के रूप में सिंगापुर पहुंचा है।' तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी सहित बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर के सरकारी अधिकारियों और प्रमुख थिंक टैंकों के साथ महत्वपूर्ण बैठकों से पहले सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त, राजदूत शिल्पक अंबुले से मुलाकात की। श्री बनर्जी ने कहा, 'प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर के मंत्रियों, सांसदों, थिंक टैंकों, शिक्षाविदों, व्यापार जगत के नेताओं, मीडिया और प्रवासी भारतीयों से बातचीत करेगा।

दुनिया को भारत दिखा रहा है पाकिस्तान का आतंकी चेहरा, प्रतिनिधिमंडल ने की वैश्विक नेताओं से मुलाकात

एजेंसी

जॉर्ज टाउन (गुयाना)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली से मुलाकात की है। इन दिनों अलग-अलग भारतीय नेताओं के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल कई देशों की यात्रा पर है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के नेताओं को पहलगाम पर हुए पाकिस्तान पोषित आतंकी हमले और उसके जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर की जानकरी दे रहा है। साथ ही वैश्विक नेताओं को आतंकवाद के खात्मे के लिए भारत की प्रतिबद्धता से अवगत कराया जा रहा है। अब तक हुई मुलाकातों में वैश्विक नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साथ खड़े होने का संकल्प दोहराया है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली ने कहा कि भारत और गुयाना के बीच असाधारण संबंध हैं। भारत से उनका खून का रिश्ता है। आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से भारत हमारा बहुत करीबी साझेदार रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हमने भारत से बड़े पैमाने पर निवेश देखा है। हमें उम्मीद है कि और अधिक भारतीय निवेशक, भारतीय तकनीक, डिजिटल उत्पाद हमारे अपने विकास का हिस्सा होंगे। वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ हैं। शशि थरूर ने कहा कि गुयाना के प्रधानमंत्री ब्रिगेडियर मार्क एंथनी फिलिप्स के साथ रात्रि भोज पर विचारों का आदान-प्रदान करना सुखद अनुभव रहा। उनकी पत्नी ने भारत में छह सप्ताह बिताए थे। उन्होंने

अहमदाबाद में उद्यमिता और एनजीओ प्रबंधन का प्रशिक्षण लिया था। दोहा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा, भारत आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में आवाज उठाना चाहता है। हम दो साल पहले सुरक्षा परिषद में थे और भारत ने सुरक्षा परिषद की आतंकवाद निरोधक समिति का एक विशेष सत्र मुंबई में आयोजित किया था। दुनिया के हर देश ने एक स्वर में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की लेकिन इसके बावजूद भारत को इस तरह के आतंकवादी कृत्यों का सामना करना पड़ रहा है। मुझे खुशी है कि कतर के नेतृत्व के साथ हमारी बातचीत के दौरान आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के अपने विचार व्यक्त किए। किंशासा (कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य) में भारतीय समुदाय से बातचीत के दौरान बीजू जनता दल सांसद सस्मित पात्रा ने कहा, भारत एकजुट है। यह एक महत्वपूर्ण संदेश है। पाकिस्तान का आतंकवाद सिर्फ भारत की समस्या नहीं, पूरी दुनिया की समस्या है। हमें सावधान रहने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई की पूरी धारणा को बदल दिया है और भारत पर आतंकवाद की कार्रवाई को युद्ध की कार्रवाई के रूप में लिया जाएगा। सिंगापुर में जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर में अधिकारियों और थिंक टैंक के साथ बैठक से पहले सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त, राजदूत शिल्पक अम्बुले के साथ बैठक की। स्लोवेनिया में डीएमके सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने जुब्लजाना में भारतीय प्रवासियों से बातचीत की।

कार्लो एंसेलोटी ने ब्राज़ील की पहली टीम का किया ऐलान, नेमार बाहर, कासेमीरो की वापसी

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राज़ील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी ने अपनी पहली 25 सदस्यीय टीम का ऐलान किया, जिसमें सबसे बड़ा नाम गायब रहा – नेमार। चोट से जूझ रहे नेमार हाल ही में सैंटोस क्लब में लौटे हैं, लेकिन एंसेलोटी ने बताया कि वो अभी राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं। एंसेलोटी ने कहा, दुर्भाग्य से हमारे कई खिलाड़ी चोटिल हैं, जिनमें नेमार भी शामिल हैं। लेकिन हम उन पर भरोसा करते हैं। मैंने आज सुबह उनसे बात की और वह पूरी तरह सहमत हैं।

कासेमीरो की वापसी, अनुभव पर जोर

टीम में मिडफील्डर कासेमीरो की वापसी हुई है, जो पिछले लगभग डेढ़ साल से टीम से बाहर चल रहे थे। 2022 विश्व कप में टीम के कप्तान रहे कासेमीरो की वापसी को एंसेलोटी ने नेतृत्व और बलिदान की जरूरत से जोड़ा। कोच ने कहा,

राष्ट्रीय टीम को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जिनमें करिश्मा, टैलेंट और समर्पण हो – कासेमीरो उन खिलाड़ियों में से हैं। रियल मैड्रिड छोड़ने के बाद ब्राज़ील की कमान संभालने वाले एंसेलोटी ने अपने पुराने शिष्य विनीसियस जूनियर पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से मानता हूं कि विनीसियस राष्ट्रीय टीम में भी अपना सर्वश्रेष्ठ रूप दिखाएंगे। फिर उन्होंने मजाक में कहा, जैसे मैड्रिड में... लेकिन इस साल वाला नहीं, पिछले साल वाला।

ब्राज़ील के कोच बने पहले विदेशी, एंसेलोटी ने मीडिया को किया प्रभावित

65 वर्षीय एंसेलोटी ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के पहले पूर्णकालिक विदेशी कोच हैं। उन्होंने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में करीब 200 मीडिया कर्मियों को अपने जवाबों से प्रभावित किया। उन्होंने कहा, ब्राज़ीलियाई समाज मुझसे 24 साल बाद वर्ल्ड कप जीत की उम्मीद कर रहा है – यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

ब्राज़ील की 25 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:

गोलकीपरः एलिसन (लिवरपूल)

बेंटो (अल-नासर), ह्यूगो सूज़ा (कोरिंथियंस)।

डिफेंडरः एलेक्स सैंड्रो, डानीलो, लियो ओर्टिज़, वेज़ले (सभी फ्लेमिंगो), एलेक्ससैन्ड्रो (लिल), लुकास बेराल्डो (पीएसजी), कार्लोस ऑगस्टो (इंटर मिलान), वैंडरसन (मोनाको)।

मिडफील्डरः एंड्रियास पेरेरा (फुलहम), एंड्री सैंटोस (स्ट्रासबर्ग),

ब्रूनो गिमाराइश (न्यूकासल), कासेमीरो (मैनचेस्टर यूनाइटेड)

एडरसन (अटलांटा), गेरसन।

फॉरवर्डः एंटनी (रियल बेटिस),

एस्तेवं (पाल्मेरास), गैब्रिएल मार्टिनेली (आर्सेनल), मथियस कुन्हा (वॉल्वरहैम्प्टन), रफिन्हा (बार्सिलोना), रिचार्लिसन (टॉटनहम), विनीसियस जूनियर (रियल मैड्रिड)।

टेनिस बॉल क्रिकेट को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय मंच, रिद्धिमान साहा बोले- अब खिलाड़ियों को मिलेगा उनका हक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने कहा है कि पहली बार भारत में आयोजित होने जा रहे टेनिस क्रिकेट बॉल वर्ल्ड कप और एशिया कप जैसे टूर्नामेंट न केवल खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच देंगे, बल्कि उन्हें पहचान और सम्मान भी दिलाएंगे। साहा हाल ही में सर्वोटेक स्पोर्ट्स के साथ बतौर मेंटोर जुड़े हैं और अब वह देशभर में इस खेल को नई दिशा देने में जुटे हैं।ड्रीम लीग ऑफ इंडिया (डीएलआई) के तहत आयोजित हो रहे ये टूर्नामेंट टेनिस बॉल से खेले जाने वाले पहले वैश्विक और महाद्वीपीय क्रिकेट टूर्नामेंट होंगे, जो इस अनौपचारिक मगर बेहद लोकप्रिय फॉर्मेट को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। साहा ने कहा, मैंने भी अपने करियर की शुरुआत टेनिस बॉल क्रिकेट से की थी, और आज जब देशभर के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का इतना बड़ा मंच मिल रहा है, तो यह गर्व की बात है।÷ उन्होंने आगे कहा कि अब इन खिलाड़ियों को वह पहचान मिलेगी जिसके वे हकदार हैं। लीग के रणनीतिकार चैतन्य नंदा ने बताया कि डीएलआई के प्रदर्शन के आधार पर ही खिलाड़ियों का चयन आईटीसीएफ (अंतरराष्ट्रीय टेनिस क्रिकेट महासंघ) के जरिए वर्ल्ड कप और एशिया कप के लिए किया जाएगा। इसके लिए पूरे देश में 1500 से अधिक प्रमाणित कोचों की निगरानी में खुले ट्रायल्स होंगे लीग जूनियर (13-18 वर्ष) और सीनियर (18+ वर्ष) दोनों वर्गों में आयोजित की जाएगी, जिसमें 6-6 फ्रेंचाइजी टीमें भाग लेंगी। 860-860 खिलाड़ियों को नीलामी के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, जिसके बाद फ्रेंचाइजी टीमें अपने खिलाड़ी चुनेंगी। नीलामी में अनसोल्ड रहे खिलाड़ी इंटर-जोनल टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे।

सिंगापुर ओपन में सात्विक-चिराग करेंगे भारतीय चुनौती का नेतृत्व, सिंधु-प्रणय पर भी रहेंगी निगाहें

एजेंसी

नई दिल्ली। सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होने जा रहा है, जिसमें भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की बहुप्रतीक्षित वापसी देखने को मिलेगी। चोटों से जूझने के बाद अब यह जोड़ी पूरी तरह फिट है और मलेशिया की जोड़ी चूंग हॉन जियान और मुहम्मद हैकाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 सात्विक और चिराग आखिरी बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में खेले थे, लेकिन चिराग की पीठ की चोट के कारण दूसरे दौर से हट गए थे। इसके बाद सात्विक की तबीयत के चलते वे सुदीरमन कप से भी बाहर रहे। अब दोनों फिर से टॉप लेवल पर खेलने को तैयार हैं। 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एच.एस. प्रणय, जो पिछले साल चिकनगुनिया से जूझ रहे थे, अब वापसी की राह पर हैं। वह डेनमार्क के रासमुस गेमके के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले लक्ष्य सेन के लिए यह टूर्नामेंट अहम होगा। इस साल उन्होंने चार बार पहले ही राउंड में हार झेली है। उनका पहला मुकाबला लिन चुन यी से होगा।

केकेआर कप्तान अजिंक्य रहाणे को भरोसा- अगले साल और मजबूत होकर वापसी करेंगे

नई दिल्ली। गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का आईपीएल 2025 का सफर रविवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार के साथ समाप्त हो गया। मैच और पूरे सीजन के प्रदर्शन पर ईमानदारी से प्रतिक्रिया देते हुए कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, इस सीजन में हमारे लिए उतार-चढ़ाव रहे। हमारे पास मौके थे, लेकिन एक यूनिट के तौर पर हम बेहतर नहीं खेले। टीम की तैयारी और सीजन भर के प्रदर्शन पर रहाणे ने कहा, एक कप्तान के तौर पर मैंने देखा कि तैयारी में सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। जब आप एक सीजन जीतते हैं और अगले में खिताब बचाने उतरते हैं, तो यह आसान नहीं होता। सभी टीमों ने अच्छी तैयारी की थी और हमने भी पूरी कोशिश की। मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम अगले साल और मजबूत होकर वापसी करेंगे। रहाणे ने गेंदबाजों के संघर्ष के बावजूद उनका समर्थन किया और कहा, हमारी गेंदबाजी मिलीजुली रही, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने अच्छा काम किया। पिचें बल्लेबाजों के लिए मददगार रहीं, इसलिए 200+ के स्कोर काफी देखने को मिले, लेकिन पूरे सीजन में हमारी गेंदबाजी यूनिट ने बेहतर प्रदर्शन किया।

प्लान के मुताबिक खेले तो वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करना पक्का : उपकप्तान हार्दिक सिंह

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 (पुरुष) के विदेशी चरण की शुरुआत से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम अंकतालिका में मजबूत तीसरे स्थान पर काबिज है। इस बीच टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने जोर देकर कहा है कि अगर टीम योजना के अनुसार खेले और ज्यादा से ज्यादा अंक बटोरे, तो भारत के पास एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई करने का बेहतरीन मौका है।हार्दिक ने कहा, हमने टीम के अंदर इस बात पर चर्चा की है कि अगर हम प्लान के मुताबिक चलें, हर मैच से पॉइंट हासिल करें–चाहे ड्रॉ हो या शूटआउट से पॉइंट मिलें, तो हमारे पास वर्ल्ड कप में जगह बनाने का रियलिस्टिक चांस है। उन्होंने आगे कहा, बेल्जियम (फिलहाल रैंक 2) और नीदरलैंड (जो भारत से एक स्थान पीछे हैं, रैंक 4) टूर्नामेंट के को-होस्ट होने के कारण वर्ल्ड कप के लिए ऑटोमैटिक क्वालिफाई कर चुके हैं। ऐसे में इंग्लैंड (शीर्ष पर), जर्मनी और स्पेन जैसे टीमें असली प्रतिद्वंदी होंगी। अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले मुकाबले भी बेहद अहम होंगे। यह हमारे लिए एक बड़ा चैलेंज है और अगर हम जल्दी क्वालिफाई कर लेते हैं, तो वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए ज्यादा समय मिलेगा।

वेस्टइंडीज पर 17 रनों की जीत के साथ इंग्लैंड तीन मैचों की सीरीज में किया क्लीन स्वीप

चेम्सफर्ड। हीथर नाइट (नाबाद 66) के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड की महिला टीम ने तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज पर 17 रनों की जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली है। आज यहां वेस्टइंडीज की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 144 रनों का स्कोर खड़ा। हीथर नाइट ने 47 गेंदों में (नाबाद 66) रनों की पारी खेली। नेट सायवर ब्रंट ने (37) और एमी जोंस ने (22) रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से हेली मैथ्यूज ने तीन विकेट लिये। जायडा जेम्स और जे क्लैक्सटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे टिक नहीं खेल सके। वेस्टइंडीज की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गवांती रही।

रोनाल्डो ने अल नास्त्र को छोड़ने के दिए संकेत, अंतिम मुकाबले के बाद सोशल मीडिया पोस्ट से अटकलें तेज़

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग के आखिरी मुकाबले में अल नास्त्र की ओर से गोल दागने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर ऐसा मैसेज पोस्ट किया जिससे उनके क्लब छोड़ने की अटकलें तेज़ हो गई हैं।

रोनाल्डो ने अपनी अल नास्त्र जर्सी में एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा , यह चैप्टर खत्म हुआ। कहानी अभी बाकी है। सभी का आभार। गौरतलब है कि रोनाल्डो का अल नास्त्र के साथ अनुबंध जून में समाप्त हो रहा है। इस सीज़न में उन्होंने 25 गोल दागे और सऊदी प्रो लीग के टॉप स्कोरर रहे, लेकिन इसके बावजूद अल नास्त्र टीम एएफसी चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी।

अंतिम मुकाबले में 99वां गोल, टीम को मिली हार

अल फतेह के खिलाफ खेले गए अंतिम लीग मुकाबले में रोनाल्डो ने एक गोल दागा, जो उनके क्लब करियर का 801वां और अल नास्त्र के लिए 99वां गोल था। हालांकि, अल नास्त्र को इस रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हार का सामना करना पड़ा।

ब्राज़ीलियन क्लब से मिला ऑफर?

कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, रोनाल्डो को एक ब्राज़ीलियन क्लब से आकर्षक प्रस्ताव मिला है, जिसमें उन्हें आगामी फीफा क्लब वर्ल्ड कप में खेलने का मौका मिल सकता है। यह टूर्नामेंट 14 जून से 13 जुलाई तक अमेरिका में आयोजित होना है। ब्राज़ील की ओर से बोटाफोगो, फ्लूमिनेंस, फ्लैमेंगो और पामेइरस जैसे बड़े क्लब इसमें हिस्सा लेंगे।

क्या अब अगला कदम क्लब वर्ल्ड कप?

अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या रोनाल्डो क्लब वर्ल्ड कप में खेलने के लिए ब्राज़ील की ओर रुख करेंगे या फिर उनके करियर की कहानी में कोई और बड़ा मोड़ आने वाला है। फिलहाल उन्होंने संकेत दे दिया है - कहानी अभी जारी है...

आईपीएल 2025: जोश हेजलवुड बने आरसीबी के जसप्रीत बुमराह

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए जोश हेजलवुड उसी तरह अहम बन चुके हैं जैसे जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के लिए हैं। अपनी सटीक गेंदबाजी से हेजलवुड ने आरसीबी की गेंदबाजी इकाई को मजबूती दी है और अब लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अहम मुकाबले में उनसे बड़ी उम्मीदें होंगी। ऑस्ट्रेलियाई पेसर हेजलवुड ने इस सीजन पावरप्ले में 7 विकेट और डेथ ओवर्स (आखिरी 4 ओवर) में 6 विकेट चटकाए हैं। उनका इकॉनमी रेट क्रमशः 7.22 और 9.04 रहा है, जो इस फेज में किसी भी गेंदबाज के लिए शानदार माना जाता है। खास बात ये है कि हेजलवुड ने पावरप्ले में अपनी टीम के कुल रन का सिर्फ 26.86 प्रतिशत ही खर्च किया, जबकि वह हर मैच में कम से कम दो ओवर इस फेज में जरूर डालते हैं। इकाना स्टेडियम में जब आरसीबी का सामना एलएसजी से होगा, तो हेजलवुड की वापसी टीम के लिए राहत लेकर आएगी। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाज़ी करने वाली एलएसजी की टीम को रोकने के लिए आरसीबी को अपने इस स्टार तेज़ गेंदबाज़ से

शुरुआती विकेट की दरकार होगी। सीज़न के सस्पेंड होने से पहले हेजलवुड ने पावरप्ले में सबसे ज़्यादा 6 विकेट अपने पहले ही ओवर में चटकाए थे।सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 42 रन की हार के बाद इंग्लिश बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने माना कि आरसीबी जीत के करीब थी। उन्होंने कहा, हमने लक्ष्य का पीछा करने में कई अच्छी चीजें कीं। ज़्यादातर समय मार्जिन बहुत बारीक थे। लेकिन आज गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी। आरसीबी के लिए ये मुकाबला प्लेऑफ की तैयारी और टॉप-2 में पहुंचने की उम्मीद को ज़िंदा रखने का मौका है। इसके लिए टीम को मंगलवार को हर मोर्चे पर सटीक रणनीति के साथ उतरना होगा और हेजलवुड की भूमिका एक बार फिर से निर्णायक होगी।

नॉर्वे शतरंज 2025 : कार्लसन ने उद्घाटन मुकाबले में गुकेश को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली।नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। पहले ही दिन पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को मात देकर बड़ा संदेश दे दिया। यह मुकाबला नॉर्वे के स्टावेंगर में खेला गया। खास बात यह रही कि यह गुकेश और कार्लसन के बीच पहला क्लासिकल मुकाबला था, जब से गुकेश ने सिंगापुर में विश्व खिताब जीता है। वहीं, एक अन्य रोमांचक मुकाबले में भारत के अर्जुन एरिगैसी ने चीन के वे यी को आर्मागेडन में हराया। क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद टाईब्रेक में अर्जुन ने बाजी मारी। महिला वर्ग में भी भारतीयों के बीच कड़ा मुकाबला

देखने को मिला, जहां कोनेरु हम्पी ने आर. वैशाली को हराते हुए अभियान की शानदार शुरुआत की।

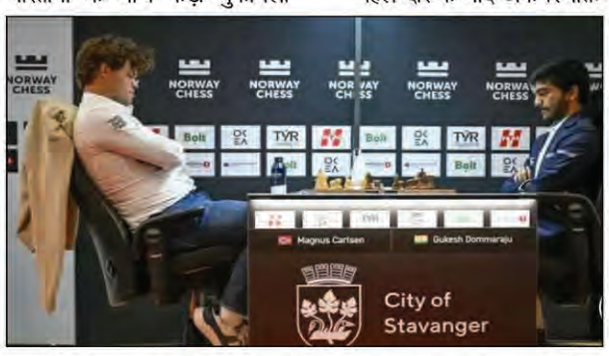

पहले दौर के बाद अंक स्थितिः

ओपन वर्ग में मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा 3-3 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अर्जुन एरिगैसी के 1.5 अंक हैं, जबकि वे यी 1 अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। फबियानो करूआना और डी. गुकेश को अभी खाता खोलना बाकी है। महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी 3 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं।

अन्ना मुझिचुक और ली टिंगजी के 1.5-1.5 अंक हैं। जू वेनजुन और सारा खादेम 1-1 अंक के साथ बराबरी पर हैं, जबकि आर. वैषाली को अभी पहला अंक हासिल करना है। आगे के मुकाबलों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिलने की उम्मीद है।

आर पी भटनागर इलाहाबाद क्रिकेट के स्वर्णिम युग के गुमनाम शिल्पकार

एजेंसी

प्रयागराज। आर.पी. भटनागर का नाम इलाहाबाद की क्रिकेट विरासत में गहराई से जुड़ा हुआ है। वे एक सच्चे खेल प्रेमी हैं और आज 84 वर्ष की आयु में भी उसी ऊर्जा और उत्साह के साथ जीवन जीते हैं, जैसा कि उनके क्रिकेट के दिनों में हुआ करता था। वे उस बीते दौर से ताल्लुक रखते हैं, जिसकी पीढ़ी अब लगभग समाप्त हो चुकी है। इलाहाबाद क्रिकेट के शुरुआती दिनों की उनकी यादें और अनुभव आज भी प्रेरणादायक हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करते हैं। उनका क्रिकेट सफर 1959-60 में के.पी इंटर कॉलेज की क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में शुरू हुआ। इसके बाद 1960-61 में वे सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज की टीम के कप्तान बने। इसके पश्चात 1961-62 और 1962-63 में उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय की टीम का प्रतिनिधित्व किया। 23 जुलाई 1963 को उन्होंने ए.जी.यू.पी. (लेखा महानियंत्रक, उत्तर प्रदेश) में नौकरी जॉइन की और वहां की क्रिकेट टीम के लिए खेलते हुए कप्तानी भी की। वर्ष 1964-65 में वे इलाहाबाद जिला क्रिकेट टीम के कप्तान बने और उसी वर्ष उन्होंने उत्तर प्रदेश रणजी ट्रॉफी टीम का प्रतिनिधित्व भी किया। अपने खेल जीवन के बाद उन्होंने चयनकर्ता के रूप में भी क्रिकेट में योगदान दिया और 1998 से 2003 तक उत्तर प्रदेश रणजी ट्रॉफी टीम के चयनकर्ता रहे। उनका योगदान सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रहा, उन्होंने क्रिकेट के संगठन और प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईपीएल 2025: पंजाब ने मुंबई को 7 विकेट से हराकर क्वालिफायर-1 में बनाई जगह

एजेंसी

जयपुर। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेल रही पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ जोरदार जीत दर्ज करते हुए आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में टॉप-2 में जगह पक्की कर ली है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस अहम मुकाबले में पंजाब ने मुंबई को 7 विकेट से मात दी और पहले क्वालिफायर में प्रवेश कर लिया।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने तेज शुरुआत की। रोहित शर्मा (24 रन) और रायन रिकल्टन (27 रन) ने पावरप्ले में रन बटोरे, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद सूर्यकुमार यादव (57 रन) ने एक बार फिर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए टीम को संभाला। कप्तान हार्दिक पांड्या ने 26 और नमन धीर ने 20 रन का योगदान दिया। आखिरी ओवर में

अर्शदीप सिंह ने महज 3 रन देकर 2 विकेट झटके और मुंबई को 200 रन तक पहुंचने से रोक दिया। मुंबई ने निर्धारित 20 ओवर में 185/8 का स्कोर खड़ा किया। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन और विजयकुमार व्यशाक को दो-दो सफलता मिली। जबकि एक विकेट हरप्रीत बरार के खाते में गया। 186 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरुआत थोड़ी धीमी रही। प्रभसिमरन सिंह (13 रन) सस्ते में आउट हो गए, लेकिन इसके बाद प्रियांश आर्या (62 रन) और जॉश इंग्लिस (73 रन) ने मिलकर मैच का रुख पलट दिया।

दोनों ने न केवल मुंबई के घातक गेंदबाजों को निशाना बनाया, बल्कि बड़े-बड़े शॉट्स खेलते हुए रन गति को लगातार ऊंचा बनाए रखा। उनकी साझेदारी ने मैच को एकतरफा बना दिया।

अंत में कप्तान श्रेयस अय्यर ने संयमित अंदाज में टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया और विजयी छक्का लगाकर मैच खत्म किया। पंजाब ने लक्ष्य को 19 ओवर में ही हासिल कर लिया। मुंबई के लिए मिशेल सेंटनर ने दो और जसप्रीम बुमराह ने एक विकेट चटकाए।

फ्रिट्ज हुये उलटफेर का शिकार, सितसिपास, बडोसा अगले दौर में

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2025 के दूसरे दिन जर्मनी के डेनियल अल्टमायर ने उलटफेर करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। वही स्टेफानोस सितसिपास और पाउला बडोसा ने अगले दौर में जगह बना ली हैं। आज यहां रोलांड गैरोस के क्ले कोर्ट पर खेले गये मुकाबले में जर्मनी के डेनियल अल्टमायर चौथी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को 7-5, 3-6, 6-3, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। डेनियल अल्टमायर ने आक्रामक और रणनीतिक खेल का प्रदर्शन करते हुए फ्रिट्ज की लय को बाधित कर निर्णायक जीत दर्ज की। अब अल्टमायर का अगले दौर में चेक गणराज्य के विट कोप्रिवा से मुकाबला होगा।

तेजस्विनी के स्वर्णिम निशाने से भारत ने जीता सुहल जूनियर शूटिंग विश्व कप का ताज

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा की 20 वर्षीय निशानेबाज तेजस्विनी ने अपने शानदार प्रदर्शन से भारत को अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व कप 2025 में शीर्ष स्थान दिला दिया है। प्रतियोगिता के अंतिम दिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में तेजस्विनी ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत को चीन जैसे शूटिंग पावरहाउस पर बढ़त दिलाई। तेजस्विनी का यह पहला व्यक्तिगत विश्व कप पदक है और भारत के लिए यह प्रतियोगिता का तीसरा स्वर्ण और कुल 11वां पदक रहा। भारत ने चार रजत और चार कांस्य पदक भी अर्जित किए। हालांकि चीन ने भी तीन स्वर्ण पदक जीते, लेकिन पदकों की कुल संख्या में भारत आगे रहा। पहले दिन क्वालिफिकेशन में तेजस्विनी 24वें स्थान पर थीं, परंतु दूसरे दिन की रैपिड-फायर श्रृंखला में 293 अंकों की बेहतरीन शूटिंग से उनका कुल स्कोर 575 हो गया, जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंचकर फाइनल में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय बनीं। फाइनल मुकाबले में दस रैपिड-फायर श्रृंखलाओं में तेजस्विनी ने 31 अंक अर्जित किए और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) अलीना नेस्तसियारोविच (29 अंक) को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। हंगरी की मिरियम जाको ने कांस्य पदक प्राप्त किया। फाइनल की शुरुआत से ही तेजस्विनी का प्रदर्शन दमदार रहा।

पहले दो राउंड में उन्होंने लगातार चार-चार अंक हासिल किए और क्वालिफिकेशन टॉपर चीन की झाओ ताओताओ को कड़ी टक्कर दी। पांचवीं श्रृंखला में झाओ की चूक ने उन्हें पीछे धकेल दिया और तेजस्विनी ने बढ़त कायम रखते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

'डबल जलेबी' से ओलंपिक तकः हॉकी खिलाड़ी अंगद बीर सिंह की प्रेरक यात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। हर खिलाड़ी के करियर में एक ऐसा पल होता है, जब वह खुद को साबित करता है, कुछ अलग करके, कुछ ऐसा जो दर्शकों और कोच दोनों को चौंका देता है। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में कलिंगा लांसर की ओर से खेलने वाले 22 वर्षीय अंगद बीर सिंह के लिए वह डिफाइनिंग मोमेंट था. उनका सिग्नेचर मूव 'डबल जलेबी', जिसने उन्हें रातों-रात सुर्खियों में ला दिया।

'डबल जलेबी': एक वायरल मूव, मेहनत की मिसाल

तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाफ एक हाई-प्रेशर शूटआउट में अंगद ने गोलकीपर डेविड हार्ट को चकमा देते हुए जो गोल दागा, वह सिर्फ एक शॉट नहीं था, वह उनके जुनून, अभ्यास और आत्मविश्वास का प्रतीक था। सोशल मीडिया पर इस मूव ने धूम मचा दी, लाखों लाइक्स और हजारों शेयर के साथ अंगद एक इंटरनेट सनसनी बन गए।अंगद कहते हैं, मैंने इसे सालों तक अभ्यास में तराशा है। एचआईएल कैंप में खासतौर पर इस पर ध्यान दिया क्योंकि मुझे पता था कि शूटआउट में ऐसे शॉट्स निर्णायक हो सकते हैं। जब लोगों को ये पसंद आया, तो लगा मेहनत बेकार नहीं गई। अब मैं इसे और बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

रणनीति, अभ्यास और आत्मविश्वास का मेल

'डबल जलेबी' सिर्फ एक ट्रिक नहीं, बल्कि एक रणनीतिक हथियार है, जहां तकनीक, टाइमिंग और साहस का संगम होता है। यही कारण

है कि यह मूव सिर्फ दर्शकों का ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कोचों का ध्यान भी खींच लाया। इसके चलते अंगद को एफआईएच प्रो लीग में भारतीय सीनियर टीम के लिए खेलने का मौका मिला। कलिंगा लांसर के कोच वेलेंटिन आल्टनबर्ग ने अंगद की प्रशंसा करते हुए कहा, अंगद की तेजी, आत्मविश्वास और मैच के दबाव में सही निर्णय लेने की क्षमता अद्वितीय है। 'डबल जलेबी' सिर्फ एक स्टाइलिश मूव नहीं, बल्कि उनके खेल में गहराई और समझ का प्रमाण है। अपने हॉकी सफर पर बात करते हुए अंगद ने साझा किया कि बचपन से मेरा सपना था कि मैं भारत की जर्सी पहनूं। मैंने जूनियर लेवल पर खेला, राज्य का प्रतिनिधित्व किया, एचआईएल में अनुभव लिया और फिर भारत के लिए डेब्यू किया। अब मेरा अगला लक्ष्य है ओलंपिक गोल्ड। वह मानते हैं कि जूनियर से सीनियर स्तर पर संक्रमण चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उन्होंने हरमनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह जैसे खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने बताया कि ÷सीनियर हॉकी में रणनीति की अहमियत बढ़ जाती है। हर मैच एक शतरंज की तरह होता है, जहां हर मूव सोच-समझकर खेलना होता है। लेकिन यहीं असली मजा भी है।÷ अंगद ने कहा कि अब जब वो भारतीय सीनियर टीम में हैं, तो उनकी निगाहें वर्ल्ड कप 2026 और फिर ओलंपिक 2028 पर टिकी है। उनका कहना है कि हर दिन मैं उसी सपने को जीता हूं। हर अभ्यास, हर मैच, हर मूव उसी एक लक्ष्य की ओर है, भारत के लिए ओलंपिक गोल्ड जीतना।

रवीना टंडन

की बेटी को नहीं पहचान पाए संजय दत्त, पूछा- कौन

पिछले साल से ही बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है. इस साल की शुरुआत में एक्ट्रेस की डेब्यू फिल्म रिलीज हुई, हालांकि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल तो नहीं किया, लेकिन राशा की फैन फॉलोइंग जरूर बढ़ गई. काफी कम वक्त में राशा इंडस्ट्री का जाना माना नाम बन गई हैं. लेकिन, हाल ही में संजय दत्त उन्हें पहचान नहीं पाए हैं.संजय दत्त ने रवीना टंडन के साथ कई फिल्मों में काम किया है, दोनों ने साथ में आखिरी फिल्म घुड़चढ़ी की थी. हालांकि, राशा का नाम न पहचान पाने की वजह से एक्टर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो रहा है. दरअसल, हाल ही में संजय दत्तअपनी पत्नी मान्यता के साथ एक रेस्टोरेंट से निकलते स्पॉट किए गए. इस दौरान उनको कैमरे में कैद करने के लिए पैपराजी वहां आ गए.

घर जाने की दी थी सलाह

हालांकि, बारिश के मौसम में इस तरह से उन्हें देखकर एक्टर ने उन्हें घर जाने को कहा. ऐसे में उन्होंने बताया कि वो राशा थडानी का इंतजार कर रहे हैं. इस पर एक्टर ने हैरान करने वाला रिएक्शन दिया. उन्होंने पूछा कौन राशा, तब पैपराजी ने बताया कि रवीना टंडन की बेटी. दरअसल, कार में बैठते हुए एक्टर ने पैपराजी से कहा, जा ना रे घर जाओ, बारिश हो रही है. इस पर फोटोग्राफर ने बताया कि वो कपल के ही लिए खड़े थे.

दो बार पूछ लिया था नाम

बाद में उन्होंने बताया कि अभी वो एक और सेलिब्रिटी का इंतजार कर रहे हैं, फोटोग्राफर ने कहा कि नई लड़की का इंतजार कर रहे हैं. इस पर एक्टर ने सवाल किया कौन, तो उन्होंने बताया राशा, एक्टर ने नाम सुनने के बाद दोबारा से पूछा, कौन. फिर लोगों ने बताया कि राशा, रवीना टंडन की बेटी , इस पर एक्टर ने कहा कि हां, जाओ उसकी फोटो ले लो. जाते-जाते एक्टर ने उनसे खाने का पूछा और फिर कार में बैठ गए.

सुहाना रो रही है, आर्यन डरा हुआ हैज्जब आग-बबूला हुए शाहरुख खान, बोले- किसी को बख्शूंगा नहीं

शाहरुख खान की गिनती बॉलीवुड के सबसे कामयाब एक्टर्स में से एक के अलावा एक अच्छे पिता के रूप में भी होती है. शाहरुख और गौरी खान ने अपने तीनों ही बच्चों को अच्छी परवरिश दी है और तीनों ही बच्चों के साथ अभिनेता का बेहद मजबूत बॉन्ड है. जब ड्रग्स केस में आर्यन खान का नाम आया था तब शाहरुख उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे. वहीं सालों पहले एक IPL मैच में जब उनकी बेटी सुहाना के साथ दुर्व्यवहार किया गया था तब भी शाहरुख ने बेटी के लिए लड़ाई कर ली थी. वहीं 2007 में जब शाहरुख के एक बयान के बाद उनके घर पर पत्थर फेंके गए, उनके घर के बाहर हंगामा किया गया था और उनके बच्चे रोने लगे थे तब शाहरुख ने कहा था कि मैं होता तो किसी को छोड़ता नहीं.

साल 2007 में शाहरुख खान और सैफ अली खान ने आइफा अवॉर्ड्स की होस्टिंग की थी. तब शाहरुख ने वर्तमान सपा के दिग्गज और दिवंगत नेता अमर सिंह पर विवादित टिप्पणी की थी. शाहरुख ने कहा था कि उनकी आंखों में दरिंदगी नजर आती है. शाहरुख को ये बयान महंगा पड़ गया था. भारी संख्या में अमर सिंह के समर्थक शाहरुख के घर के बाहर प्रदर्शन करने चले गए थे.

'सुहाना रो रही है, आर्यन डरा हुआ है'

प्रदर्शनकारियों ने अभिनेता के घर पर पत्थर भी फेंके थे और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की थी. तब शाहरुख और गौरी दोनों ही घर पर नहीं थे. जबकि सुहाना घर में रो रही थीं. वहीं आर्यन खान डरे हुए थे. शाहरुख को तब किसी ने कॉल करके जानकारी दी. शाहरुख किसी फिल्म की शूटिंग कर रहे थे. वो तुरंत शूटिंग छोड़कर अपने घर पहुंचे. हालांकि तब तक अमर सिंह के समर्थकों पर पुलिस कंट्रोल पा चुकी थी.

शाहरुख ने कहा था- किसी को बख्शूंगा नहीं

इस घटना के बाद शाहरुख खान ने मिड डे को दिए इंटरव्यू में कहा था, मैं शूट में बिजी था और उसे कैंसिल करके घर लौटना पड़ा. आर्यन डर में था और सुहाना रो रही थी. लोग मेरे घर के बाहर चिल्ला रहे थे, हंगामा कर रहे थे. मैं अपनी फैमिली को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं. अगर मैं पुलिस के आने से पहले आ जाता तो उन लगों को बख्शा नहीं होता.

सलमान खान के 5 चेले, बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री के बाद भी 3 का करियर ले रहा आखिरी सांसें

सलमान खान बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार माने जाते हैं. जो भी लोग फिल्मों में काम कर रहे हैं, उनका सपना होता है कि एक न एक बार छोटे से रोल में ही सलमान के साथ काम करने का मौका जरूर मिले. जहां एक तरफ कई लोग उनके साथ काम करने का सपना देखते हैं, तो वहीं कुछ ऐसे भी कलाकार है, जो सलमान के न सिर्फ करीब हैं बल्कि कुछ को सलमान ने ही लॉन्च किया है.आज हम आपको 5 ऐसे एक्टर्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके लिए अगर हम कहें कि सलमान और उन एक्टर्स के बीच गुरु-चेले का रिश्ता है, तो ऐसा कहना गलत नहीं होगा. 5 में से 3 एक्टर्स ऐसे भी हैं, धमाकेदार एंट्री के बाद भी जिनकी नैया डूबती नजर आ रही है.

वरुण धवन

शुरुआत करते हैं वरुण धवन से, जिनके साथ सलमान की काफी अच्छी बॉन्डिंग है. साल 2017 में जब वरुण ने सलमान की फिल्म 'जुड़वा' के सीक्वल में काम किया, तो सलमान ने उस फिल्म में कैमियो किया था. पिछले साल वरुण की 'बेबी जॉन' के नाम से एक फिल्म आई थी. सलमान ने उस फिल्म में भी कैमियो किया था. खास बात ये थी कि उसके लिए भाईजान ने फीस भी नहीं ली थी.

आयुष शर्मा

दूसरा नाम सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा का भी है. आयुष ने सलमान की छोटी बहन अर्पिता से साल 2014 में शादी की थी. आयुष को भी सलमान ने ही फिल्म 'लवयात्री' से लॉन्च किया था. सलनान की फिल्म से डेब्यू करने के बाद भी उनका करियर कुछ खास नहीं चल पाया और वो अब तक खुद को इंडस्ट्री में स्थापित नहीं कर पाए हैं.

जहीर इकबाल

इस लिस्ट में एक नाम जहीर इकबाल भी है, जो सलमान के दोस्त इकबाल रतनसी के बेटे हैं. बचपन से ही जहीर सलमान के क्लोज रहे हैं. उन्हें भी सलमान ने ही लॉन्च किया था. उन्होंने साल 2019 में 'नोटबुक' के नाम से बॉलीवुड में एंट्री की थी, जिसे सलमान ने प्रोड्यूस किया था. आयुष की तरह सलमान का करियर भी आखिरी सांसें ले रहा है.

सूरज पंचोली

लिस्ट में एक नाम सलमान के दोस्त और एक्टर आदित्य पंचोली के बेटे सूरज पंचोली का है. सूरज हाल ही में 'केसरी वीर' नाम की एक फिल्म लेकर आए हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही है और फ्लॉप की ओर बढ़ रही है. सूरज की डेब्यू फिल्म 'हीरो' को भी सलमान ने ही प्रोड्यूस किया था.

6 साल पहले एक्टिंग छोड़ने वाली थीं

वामिका गब्बी

लंदन ट्रिप के लालच में रणवीर सिंह की फिल्म के लिए कर दी हां

एक्ट्रेस वामिका गब्बी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज़ फिल्म 'भूल चूक माफ' की वजह से सुर्खियों में हैं. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर इसी हफ्ते आई है और ठीक-ठाक बिज़नेस भी कर रही है. इसमें उनके साथ राजकुमार राव लीड रोल में नज़र आ रहे हैं. फिल्म की रिलीज के बाद से लगातार वामिका इंटरव्यूज़ दे रही हैं. अब उन्होंने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में बताया है कि साल 2019 में एक दौर ऐसा आया था, जब वो एक्टिंग की दुनिया को छोड़ने का मन बना चुकी थीं. हालांकि फिर कुछ ऐसा हुआ कि उन्होंने इरादा बदल लिया.

राज कुमार राव और निर्देशक करण शर्मा के साथ वामिका गब्बी ने सिद्धार्थ कन्नन को इंटरव्यू दिया है. इसमें सभी ने खूब बातें की. इस दौरान जब वामिका से सवाल हुआ कि क्या कभी उन्हें लगा कि अब बस ? इस पर वामिका ने जवाब दिया, 2019 में मैं कुछ फिल्में कर रहा थी और मुझे मजा नहीं आ रहा था. मैं कुछ सीख नहीं रही थी. मैं जो कर रही थी उस वक्त उसमें में बहुत अच्छी भी नहीं थी. एक्टिंग को मैं हल्के में लेती थी.

वामिका ने कहा कि 2019 के बाद उन्हें पता चला कि एक्टिंग क्या होती है. उन्होंने कहा, कितना बड़ा समंदर है ये. इसमें तो सीखने को भी बहुत कुछ है. हर किरदार एक नया शख्स है, जिसे आपको समझना होता है. हमें अपने पार्टनर-दोस्तों को समझने में उम्रे लग जाती हैं और आपको कुछ वक्त मिलता है किरदार को समझने में. तब मुझे ये बहुत मजेदार लगने लगा, जब मुझे इस क्राफ्ट की गहराई का पता लगा.

जब एक्टिंग छोड़ने वाली थीं वामिका

वामिका ने कहा कि 2019 में मैं ये सब छोड़ना चाहती थी और कुछ और करना चाहती थी. क्योंकि मुझे महसूस हो रहा था कि मैं ये सब करके खुश नही हूं. उन्होंने कहा, मेरे पिता हमेशा कहते हैं कि वही काम करना जिसमें खुशी मिले. अगर नहीं मिल रहा तो मत करना. उस वक्त मैं खुश नहीं थी, मुझे लगा कि बस. उस वक्त कपिल देव की फिल्म 83 ऑफर हुई मुझे. तो वो मैंने हां कर दी, उससे पहले मैंने कुछ भी, छोटे पार्ट्स के लिए हां नहीं कर रही थी.

लंदन ट्रिप का लालच

वामिका ने कहा कि मुझे लगा कि ठीक है. लंदन के तीन-चार ट्रिप हैं. मैं कभी लंदन गई नहीं हूं, मजा आ जाएगा. और वहां जाकर क्या पता मुझे कुछ ऐसा पता चल जाए कि हां मुझे जिंदगी में ये करना है. इसलिए मैंने उस फिल्म के लिए हां कर दी. उन्होंने कहा, उसी दौरान जब मैंने सोचा कि करना नहीं है. तो अलग अलग चीज़ें होनी शुरू हो गईं. क्योंकि मैं बहत रिलैक्स हो गई थी. मुझे समझ आया कि लाइफ में मकसद होना जरूरी है, लेकिन आपकी लाइफ में इस वक्त जो है उसके साथ जुड़े रहकर, और कबूल कर के जीना उससे भी ज्यादा जरूरी है. इसी तरह आप सही फैसले ले सकते हैं. अगर स्ट्रेस में होंगे तो सही फैसले नहीं लेंगे.

'पाकिस्तान की तो पोल ही खोल दी', केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने की ओवैसी की तारीफ

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पाकिस्तान के झूठे प्रचार को बेनकाब करने पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) सांसद असदुद्दीन ओवैसी की प्रशंसा की। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'पाकिस्तान की तो पोल ही खोल दी।' केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने ओवैसी की प्रशंसा तब की जब एआईएमआईएम प्रमुख ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख द्वारा जारी की गई तस्वीर को भारत पर 'अपनी जीत का प्रतीक' बताया था। दरअसल, पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को ऑपरेशन बनयान अल-मर्सस का स्मृति चिन्ह भेंट किया था और भारत पर अपनी जीत का दावा किया था। हालांकि बाद में पता चला कि यह तस्वीर 2019 के चीन सैन्य अभ्यास की थी। इसको लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि चीजों को सही तरीके से कॉपी करने के लिए दिमाग की जरूरत होती है। ओवैसी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाक सेना प्रमुख असीम मुनीर को 'बेवकूफ जोकर' भी बताया। ओवैसी ने जिस स्मृति चिन्ह का जिक्र किया, वह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक

हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में भेंट किया गया था, जिसमें पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और उप प्रधानमंत्री इशाक डार भी शामिल हुए थे। ओवैसी ने सभा में कहा, 'कल पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने राष्ट्रपति और नेशनल असेंबली स्पीकर की मौजूदगी में पाक प्रधानमंत्री को यह फोटो दी। ये बेवकूफ जोकर भारत से प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। उन्होंने 2019 के चीनी सेना के अभ्यास की एक तस्वीर दी थी, जिसमें दावा किया गया था कि यह भारत पर जीत है। पाकिस्तान यही करता है, वे एक तस्वीर भी ठीक से नहीं दे सकते।' 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भारत के कूटनीतिक संपर्क के तहत कुवैत में एआईएमआईएम सांसद ने पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व पर उनकी नकल करने की हरकतों के लिए और भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री और उनके सेना प्रमुख को नकल करने के लिए दिमाग की जरूरत नहीं है। हम बचपन में सुनते थे कि 'नकल करने के लिए अकल चाहिए, नालायकों के पास तो अकल भी नहीं है।' यह पहला मामला नहीं है जब पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ संघर्ष में खुद को बीस साबित करने के लिए दुष्प्रचार का सहारा लिया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार से जुड़ी एक और घटना ने उन्हें शर्मसार कर दिया, जब उन्होंने पाकिस्तानी वायुसेना की प्रशंसा करने के लिए ब्रिटेन के एक दैनिक अखबार में प्रकाशित एक लेख की नकली तस्वीर का इस्तेमाल किया। जब उनकी यह शेखी उनके अपने मीडिया द्वारा पकड़ी गई, तो पाकिस्तानी प्रतिष्ठान दुनिया के सामने हंसी का पात्र बन गया। पाकिस्तान की इस तरह की कई फेक न्यूज पकड़ी गई।

पर्यटकों को आश्वस्त करने के लिए उमर अब्दुल्ला पहलगाम में विशेष कैबिनेट बैठक करेंगे

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में एक विशेष कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे। केन्द्रशासित प्रदेश में पिछले महीने हुए आतंकवादी हमले के बाद पर्यटकों के बीच विश्वास बहाल करने के उद्देश्य से एक प्रतीकात्मक कदम उठाया जा रहा है। इसके अलावा श्री अब्दुल्ला बुधवार को उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में मंत्रियों, प्रशासनिक सचिवों, कश्मीर के संभागीय आयुक्त, विभाग प्रमुखों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सरकारी अधिकारियों के अनुसार पहलगाम और गुलमर्ग में होने वाली बैठक का उद्देश्य सुरक्षा विशेष तौर पर पर्यटकों को सामान्य स्थिति का एक मजबूत संदेश देना और घाटी में पर्यटन के पुनरुद्धार को प्रोत्साहित करना है। पिछले साल सरकार के गठन के बाद यह पहली बार होगा जब श्री अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली कैबिनेट बैठक राजधानी श्रीनगर और जम्मू से बाहर हो रही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, 'बैठक का उद्देश्य पहलगाम में स्थानीय लोगों के साथ एकजुटता दिखाना और पर्यटकों को आश्वस्त करना है कि कश्मीर एक सुरक्षित गंतव्य है।'

पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के स्वदेशी कार्यक्रम को मंजूरी

नयी दिल्ली। अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की कमी से जूझ रही वायु सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सरकार ने उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) को देश में ही बनाने के कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने यहां बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा क्षेत्र के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय द्वारा जारी वक्तव्य में कहा गया है 'देश की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और एक मजबूत घरेलू एयरोस्पेस औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम निष्पादन के मॉडल को मंजूरी दे दी है। वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) उद्योग साझेदारी के माध्यम से कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए तैयार है। इस मॉडल में प्रतिस्पर्धी आधार पर निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों को समान अवसर प्रदान करेगा। वे स्वतंत्र रूप से या संयुक्त उद्यम के रूप में या संघ के रूप में बोली लगा सकते हैं। इकाई/बोलीदाता देश के कानूनों और नियमों का अनुपालन करने वाली एक भारतीय कंपनी होनी चाहिए। यह मॉडल पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान का प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए स्वदेशी विशेषज्ञता, क्षमता और क्षमता का दोहन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रमुख मील का पत्थर होगा।

सत्यमेव जयते
Ministry of Defence
Government of India

व्हाट्सऐप चैटबॉट सेवा के लिए यूपी परिवहन विभाग को मिला एपीआई एक्सेस

एजेंसी

लखनऊ। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) ने उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग को व्हाट्सऐप आधारित चैटबॉट सेवा के लिए एपीआई एक्सेस (एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) प्रदान करने की अनुमति दे दी है। ज्ञातव्य है कि यूपी परिवहन विभाग की ओर से मई के प्रथम सप्ताह में चैटबॉट सेवा- 8005441222 नंबर पर शुरू की गई थी। इस चैटबॉट सेवा के माध्यम से नागरिक अब केवल व्हाट्सऐप पर ही

संवाद करके वाहन पंजीकरण विवरण, ड्राइविंग लाइसेंस सेवाओं, चालान जानकारी एवं आवेदन की स्थिति से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इससे नागरिकों को बार-बार कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। यह सेवाएं कहीं से भी और कभी भी प्राप्त की जा सकेंगी। इस संबंध में भारत सरकार द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि नागरिकों की गोपनीयता से जुड़ा कोई भी डेटा साझा नहीं किया जाएगा। सभी प्रावधानों व सुरक्षा दिशानिर्देशों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने कहा कि यह पहल प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को स्मार्ट और उत्तरदायी बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। विभाग शीघ्र ही आमजन के लिए यह सेवा प्रारंभ करने की कार्यवाही कर रहा है। औपचारिकताएं पूरा करने में कुछ समय अवश्य लगेगा।

कटनी चाहिए थी जंजीरें, लेकिन 1947 में काट दी गई भुजाएं : मोदी

▸▸ सिंधु जल समझौते पर अभी कार्रवाई शुरू नहीं की, वे पहले ही घबरा गए'

एजेंसी

गांधीनगर । गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर पहुंचे। यहां उन्होंने 'गुजरात शहरी विकास योजना' के 20वीं वर्षगांठ समारोह में हिस्सा लिया। प्रदेश को करोड़ों की सौगात दी और एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाने के लिए सेना के शौर्य की प्रशंसा की। उन्होंने आजादी के समय हुई गल्तियों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मैं दो दिन से गुजरात में हूं। कल वडोदरा, दाहोद, भुज, अहमदाबाद और आज गांधीनगर में हूं। मैं जहां-जहां गया, वहां गर्जना करता सिंदूरिया सागर और लहराता तिरंगा जन-जन के हृदय में मातृभूमि के प्रति अपार प्रेम और देशभक्ति का ज्वार देखने को मिल रहा है। ये दृश्य सिर्फ गुजरात में नहीं हैं, हिंदुस्तान के कोने-

कोने में हैं, हर हिंदुस्तानी के दिल में हैं।' पीएम मोदी ने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा, 'जब भी पाकिस्तान के साथ युद्ध हुआ, तीनों बार भारतीय सशस्त्र बलों ने उन्हें निर्णायक रूप से हराया। यह महसूस करते हुए कि वह प्रत्यक्ष युद्ध नहीं जीत सकता, पाकिस्तान ने छद्म युद्ध का सहारा लिया। उसने आतंकवादियों को प्रशिक्षित करना और उन्हें भारत में भेजना शुरू कर दिया। इन प्रशिक्षित आतंकवादियों ने निर्दोष, निहत्थे नागरिकों, यात्रा करने वाले लोगों, होटलों में बैठे लोगों या पर्यटकों के रूप में आने वाले लोगों को निशाना बनाया।' उन्होंने 1947 के दर्द को बयां किया। कहा, '1947 में मां भारती के टुकड़े हुए। कटनी चाहिए थी जंजीरें, लेकिन काट दी गई भुजाएं। देश के तीन टुकड़े कर दिए गए और उसी रात पहला आतंकी हमला कश्मीर की धरती पर हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिस्तान ने हड़प लिया। अगर उसी दिन इन मुजाहिदीनों को मौत के घाट उतार दिया गया होता और सरदार पटेल की बात मान ली गई होती, तो 75 साल से चला आ रहा ये सिलसिला (आतंकी घटनाओं का) देखने को नहीं मिलता।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना के शौर्य की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'यह वीरों की भूमि है। अब तक जिसे हम छद्म युद्ध कहते थे, 6 मई के बाद जो दृश्य देखने को मिले, उसके बाद हम अब इसे छद्म युद्ध कहने की गलती नहीं कर सकते। कारण स्पष्ट है- जब मात्र 22 मिनट के भीतर नौ आतंकवादी ठिकानों की पहचान कर उन्हें नष्ट कर दिया गया, तो यह एक निर्णायक कार्रवाई थी।

पराग्वे के राष्ट्रपति भारत आएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस अगले सप्ताह तीन दिन की राजकीय यात्रा पर भारत आएंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर, पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस 02 से 04 जून तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। उनके साथ मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और व्यापार प्रतिनिधियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। राष्ट्रपति पेना पालासिओस 04 जून को पराग्वे लौटने से पहले मुंबई का भी दौरा करेंगे। राष्ट्रपति पेना पालासिओस की पहली भारत यात्रा होगी और पराग्वे के किसी राष्ट्रपति की यह दूसरी यात्रा होगी। यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति पेना 02 जून को भारत के प्रधानमंत्री के साथ वार्ता करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा करेंगे। प्रधानमंत्री अतिथि गणमान्य व्यक्ति के सम्मान में दोपहर के भोजन का आयोजन करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति पेना पालासिओस से मिलने और उनके सम्मान में भोज आयोजित करने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के पराग्वे के राष्ट्रपति से मुलाकात करने की उम्मीद है। भारत और पैराग्वे ने 13 सितंबर 1961 को राजनयिक संबंध स्थापित किए, जिससे दोनों

देशों के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित हुए। तब से दोनों देशों ने व्यापार, कृषि, स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग विकसित किया है। पराग्वे लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है।

पंचकूला में दिल दहला देने वाली घटना : एक ही परिवार के 7 लोगों ने किया सुसाइड

कार में मिले शव, कर्ज़ और आर्थिक तंगी बनी वजह

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा के पंचकूला से एक दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के सात लोगों ने सामूहिक रूप से आत्महत्या कर ली। सभी शव एक गाड़ी के अंदर संदिग्ध हालात में पाए गए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी ने ज़हर खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त की। पुलिस के अनुसार, यह परिवार मूल रूप से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून का रहने वाला बताया जा रहा है। गाड़ी में मिले दस्तावेज़ और पहचान पत्र से मृतकों की शिनाख्त हो रही है। शवों की हालत देखकर आशंका जताई जा रही है कि यह आत्महत्या देर रात की गई होगी। मौके पर पहुंचे जांच अधिकारियों ने बताया कि कार का अंदरूनी हिस्सा पूरी तरह बंद था और खिड़कियां भी ढकी हुई थीं। गाड़ी से एक सुसाइड नोट भी

बरामद हुआ है, जिसमें परिवार ने अपनी आत्महत्या की वजह कर्ज़ और लगातार बिगड़ती आर्थिक स्थिति को बताया है। परिवार के मुखिया, जो कि एक छोटा व्यवसाय चलाते थे, नोट में लिखा कि पिछले कुछ वर्षों से व्यापार में घाटा हो रहा था और ऊपर से लगातार बढ़ते कर्ज़ ने मानसिक तनाव को असहनीय बना दिया था। उन्होंने लिखा कि हर रास्ता बंद हो गया था... अब जीने की हिम्मत नहीं बची... इस हृदयविदारक घटना ने न सिर्फ पंचकूला बल्कि पूरे क्षेत्र को सदमे में डाल दिया है। पड़ोसी और स्थानीय लोग घटना को लेकर बेहद व्यथित हैं और एक ही सवाल पूछ रहे हैं - आखिर कोई पूरा परिवार इस कदर टूट कैसे सकता है? फिलहाल पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। साइबर और फोरेंसिक टीम भी मामले की तह तक पहुंचने के लिए जुट गई है। यह घटना एक बार फिर समाज के उस कड़वे सच को उजागर करती है, जहां आर्थिक बोझ और मानसिक तनाव इंसान को जीते जी मार डालते हैं।

चुनौतियों से निपटने और विदेश नीति में पूरी तरह विफल है भाजपा सरकार-कांग्रेस

● पाकिस्तान को अलग अलग करने की बजाय भारत खुद अलग-अलग पड़ रहा है।

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ट्रोल करके सरकार चला रही है और दबाव में देश के समक्ष मौजूद चुनौतियों से निपटने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहलगाम हमले के बाद जब पूरा देश एकजुट होकर खड़ा था और पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा था तो भाजपा के लोग इस दौरान भी विभाजन की राजनीति कर रहे थे और नफरत फैलाने के काम में लगे थे। उम्मीद की जा रही थी कि भेदभाव भुलाकर देशहित में काम होगा लेकिन भाजपा सरकार इसके उलट वह काम किया जो पाकिस्तान चाहता है। प्रवक्ता ने कहा 'संकट के समय कांग्रेस ने पूरी तरह से सरकार का साथ दिया। नेता विपक्ष राहुल गांधी अपना विदेशी दौरा

छोड़कर स्वदेश लौट आये। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तत्काल पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई और बयान जारी कर कहा कि हम सरकार के हर कदम में साथ हैं। इसके बाद श्री गांधी पहले पहलगाम जाकर घायलों से और स्थानीय लोगों से मिले। हाल ही में पुंछ गये और पाकिस्तान की कायराना फायरिंग से प्रभावित लोगों से भी मिले।' उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमले के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई में पाकिस्तान को सबक सिखाने का सही मौका था लेकिन सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में अचानक सैनिक कार्रवाई रोकने की घोषणा कर सबको चौंका दिया। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ जब भारत किसी स्थिति में विदेशी ताकत के सामने झुक कर निर्णय लेने को मजबूर हुआ है। कांग्रेस प्रवक्ता ने सरकार की विदेश नीति की भी आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के मंत्री सिर्फ डायलॉगबाजी कर रहे हैं। सरकार विदेश नीति के स्तर पर पूरी तरह विफल रही है।

अपने ठिकानों से भागे आतंकी फिर से शिविरों में लौटने लगे, सुरक्षाबल चौकस : बीएसएफ

'इस सूचना पर तेजी से कार्रवाई करते हुए बीएसएफ ने मौके पर लक्षित हमला किया।'

एजेंसी

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पुष्टि की है कि ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान अपने ठिकानों से भागे आतंकी फिर से शिविरों में लौटने लगे हैं और सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं। इसके मद्देनजर सुरक्षा बल आईबी और एलओसी पर चौकस रहकर जम्मू-कश्मीर में शांति को बाधित करने की हर कोशिश को नाकाम करेंगे। जम्मू के बीएसएफ आईजी शशांक आनंद ने जम्मू में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बीएसएफ ने 8 से 10 मई के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर पाकिस्तान की अकारण गोलीबारी, ड्रोन हमलों और घुसपैठ की कोशिशों का जवाब दिया और सीमा पार आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने 9 मई को अखनूर सेक्टर के पास बिना उकसावे के गोलीबारी की। 9 और 10 मई के बीच अखनूर सीमा क्षेत्र में भारी गोलीबारी की सूचना मिली थी, जिसका जवाब बीएसएफ ने लूनी आतंकी लॉन्च पैड को निशाना बनाकर दिया। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अग्रिम चौकियों पर महिला कर्मियों को तैनात किया गया था और उन्होंने ऑपरेशन में बराबर की भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि सहायक कमांडेंट नेहा भंडारी ने ऐसी ही एक चौकी की कमान संभाली, जबकि कांस्टेबल मंजीत कौर, मलकीत कौर, ज्योति, संपा, स्वप्ना और अन्य सीमा पर तैनात थे। उन्होंने ड्रोन हमले में बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, कांस्टेबल दीपक

कुमार और भारतीय सेना के नायक सुनील कुमार के बलिदान की भी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दो बीएसएफ चौकियों का नाम शहीद कर्मियों के नाम पर रखा जाएगा और एक का नाम सिंदूर रखा जाएगा। आरएस पुरा सेक्टर के बीएसएफ डीआईजी चितर पाल ने बताया कि 9 मई को पाकिस्तान ने फ्लैट ट्रैजेक्टरी हथियारों और मोर्टार से गोलीबारी की और सीमा के पास कई बीएसएफ चौकियों और अब्दुलियान गांव को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि बीएसएफ ने जोरदार तरीके से जवाबी फायरिंग की। जब सीधी फायरिंग की तीव्रता कम हुई तो पाकिस्तान ने इलाके में ड्रोन की गतिविधि बढ़ा दी। जवाबी कार्रवाई में बीएसएफ ने सीमा पार स्थित मस्तपुर आतंकी लॉन्च पैड को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया, जिसका इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों और हमलों को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा था। सुंदरबनी सेक्टर के बीएसएफ डीआईजी वरिंदर दत्ता ने बताया कि 8 मई को खुफिया सूचनाओं से सीमा के पास स्थित पाकिस्तान के लूनी लॉन्च पैड पर करीब 18 से 20 आतंकियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी।

महाराष्ट्र के बीड में ट्रक की टक्कर से छह लोगों की मौत

एजेंसी

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में देर रात धुले-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क के डिवाइडर पर फंसी यात्री वाहन को हटाने के प्रयास में जुटे बचावकर्मियों के एक समूह को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे छह लोगों की मौत हो गई और अन्य एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि यात्री वाहन जिले के गेवराई शहर के पास गढ़ी पुल पर डिवाइडर से टकरा गया। हालांकि दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन वाहन डिवाइडर पर फंस गया था। उन्होंने बताया कि राहगीर फंसे वाहन को निकालने के लिए इकट्ठा हुए तो राजमार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक ने यात्री वाहन को हटाने में लगे सात लोगों को टक्कर मार दी जिसमें से छह की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बालू अतकारे, मनोज करांडे, कृष्ण जाधव, दीपक सरोया, भागवत परलकर और सचिन नन्नावरे के रूप में हुई है। एक अज्ञात व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज

चल रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची और मीडिया को बताया कि मृतक गेवराई इलाके के रहने वाले थे। पुलिस ने फरार ट्रक चालक को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने मातृत्व अवकाश के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटा

एजेंसी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह झारखंड की एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की उस याचिका पर विचार करेगा जिसमें उन्होंने अपने बच्चे की देखभाल की छुट्टी की गुहार ठुकराने के आदेश को चुनौती दी है।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता के शीघ्र सुनवाई करने के अनुरोध पर सहमति जताई और कहा कि अगले सप्ताह इस मामले पर विचार किया

जाएगा। पीठ की ओर से मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'सोमवार को सूचीबद्ध करें।'

अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि वह (याचिकाकर्ता) एकल अभिभावक हैं। उन्होंने जून से दिसंबर तक मातृत्व अवकाश (चाइल्डकैअर लीव) इसलिए मांगी थी कि उन्हें दूसरी जगह तबादला कर दिया गया।

अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने छुट्टी देने से इनकार किए जाने के आदेश को शीर्ष अदालत के समक्ष चुनौती दी है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397